सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-163
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

इंदौर, मंगलवार 17 सितम्बर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

आज का विचार

सम्बोधन अच्छे होंगे तभी सम्बंध अच्छे बनेंगे

आज से स्वच्छता पखवाड़ा-सीएम मोहन यादव ने जनता से की भागीदारी की अपील

सिर्फ सरकार के भरोसे नहीं रखी जा सकती स्वच्छता

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस 17 सितंबर के दिन से मध्यप्रदेश में स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जाएगा। इस अवसर पर स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 'स्वच्छता ही सेवा अभियान' की भावना के साथ मनाए जाने वाले स्वच्छता पखवाड़े में कई गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी के जन्म दिवस से लेकर महात्मा गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक चलने वाले इस स्वच्छता पखवाड़े में प्रदेश के सभी नगरीय निकायों की ओर से जन भागीदारी के साथ अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने संदेश में कहा प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान पर स्वच्छता अभियान को आम जनता ने एक जन आंदोलन का स्वरूप प्रदान किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वच्छता का काम सिर्फ सरकार के भरोसे नहीं किया जा सकता है। इसके लिए पूरे समाज को आगे आना होगा। उन्होंने अपील की कि स्वच्छता ही सेवा अभियान में बढ़ चढ़कर स्वेच्छा से हिस्सा लें।

संस्कार स्वच्छता और स्वभाव स्वच्छता मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री के स्वच्छता आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए हमें संस्कार स्वच्छता और स्वभाव स्वच्छता के सिद्धांत पर अमल करना होगा। अपने व्यवहार में स्वच्छता के साथ ही अपने आसपास भी स्वच्छता रखना चाहिए। स्वच्छता के तीन प्रमुख स्तंभ हैं। पहला- आमजनता की भागीदारी, दूसरा- स्वच्छता के लिए श्रमदान और तीसरा स्तंभ है सफाई मित्र सुरक्षा शिविर के अंतर्गत स्वास्थ्य जांच और सामाजिक सुरक्षा पर केंद्रित गतिविधियों का संचालन।

आम जनता से अभियान में भागीदारी की अपील मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वच्छता पखवाड़े में स्वैच्छिक संस्थाओं के माध्यम से विभिन्न कार्यशालाओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनके माध्यम से स्वच्छता के महत्व और आवश्यकता से आमजनता को अवगत करवाया जाएगा। विभिन्न विभागों के समन्वय के साथ ही पखवाड़े की सफलता के लिए सामाजिक, व्यापारिक,धार्मिक संगठनों और ग्राम सभाओं के माध्यम से प्रदेश के प्रत्येक नागरिक को जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

मंत्री और अन्य जनप्रतिनिधि भी होंगे शामिल डॉ. यादव ने कहा कि राज्य शासन के मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी सेवा अभियान में शामिल होंगे। नवाचारों के माध्यम से अभियान को सफल और प्रभावी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने प्रधानमंत्री मोदी के जन्म-दिन के अवसर पर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

सीबीआई को पिंजरे का तोता कहने पर उपराष्ट्रपति ने दी नसीहत

नई दिल्ली। चुनाव आयोग और जांच एजेंसियां मुश्किल हालातों में काम करते हैं। इनके बारे में कोई भी टिप्पणी करना उनके मनोबल को गिराने वाला हो सकता है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने यह बड़ी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि किसी को भी देश के अहम संस्थानों के बारे में टिप्पणी करने को लेकर सचेत रहना चाहिए। ये संस्थाएं कठिन माहौल में कानून के अंतर्गत काम करती हैं। इन संस्थाओं को हर तरह की गड़बड़ियों पर नजर रखनी होती है। उन्होंने मुंबई में एक आयोजन के दौरान यह बात कही। उनका यह बयान इसलिए अहम है क्योंकि एक मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई पर टिप्पणी की थी। बेंच में शामिल जज ने कहा था कि सीबीआई को

किसी भी दबाव से मुक्त होकर काम करना चाहिए। उसे अपनी पिंजरे के तोते वाली छवि से बाहर निकलना चाहिए। अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए जाने पर सुनवाई करते हुए यह टिप्पणी की थी। बेंच में शामिल जस्टिस उज्जल भुइयां ने कहा था कि एजेंसी को पिंजरे के तोते वाली छवि से बाहर निकलना चाहिए। टिप्पणी पर बिना किसी का नाम लिए ही उपराष्ट्रपति ने कहा कि संस्थाओं पर टिप्पणी करने से उनका मनोबल गिर सकता है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि देश के सभी अंग मिलकर काम करते हैं। उनका एक ही उद्देश्य होता है कि लोगों को उनके सारे अधिकार मिल सकें। उपराष्ट्रपति ने कहा कि सभी संस्थाओं को लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों का पालन करते हुए साथ मिलकर काम करना होता है। इसलिए विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दों को हवा नहीं देनी चाहिए। ऐसी कोई भी टिप्पणी संस्थाओं के मनोबल को कमजोर कर सकती है, जो उनके कामकाज पर विपरीत बात करती हो। उन्होंने संस्थानों का जिक्र करते हुए चुनाव आयोग और जांच एजेंसियों की बात कही। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों को कठिन माहौल और दबाव में काम करना होता है। इसलिए ऐसी कोई भी विपरीत टिप्पणी उनका मनोबल

आज शाम उपराज्यपाल से मुलाकात करेंगे केजरीवाल, सौंपेंगे इस्तीफा

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल (एलजी) विनय सक्सेना ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मंगलवार शाम साढ़े 4 बजे मिलने का समय दिया है। इसी समय केजरीवाल सीएम पद से इस्तीफा देंगे और नया नाम सौंपेंगे। इससे पहले दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया केजरीवाल से मिलने उनके घर पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक, दोनों नेताओं में अगले मुख्यमंत्री को लेकर चर्चा हुई। आम आदमी पार्टी की राजनीतिक मामलों की कमेटी की बैठक भी सोमवार शाम को हुई। इसमें नए मुख्यमंत्री समेत पार्टी की आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक बुलाई थी। इसमें सभी सीनियर नेता और सरकार के कैबिनेट मंत्री शामिल थे। केजरीवाल ने नए सीएम को लेकर वन-टु-वन चर्चा की। मंगलवार को आप की बैठक का दूसरा दौर होगा, जिसमें विधायकों से चर्चा होगी। 13 सितंबर को शराब नीति केस में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद केजरीवाल ने 15 सितंबर को मुख्यमंत्री पद छोड़ने का ऐलान किया था। केजरीवाल के इस्तीफे की घोषणा के बाद चर्चा है कि आतिशी, कैलाश गहलोत, गोपाल राय और सुनीता केजरीवाल में से कोई एक दिल्ली का अगला मुख्यमंत्री बन सकता है।

सीजेआई बोले- सिर्फ सख्त कानूनों से नहीं हो सकती महिलाओं की सुरक्षा

नई दिल्ली। देश के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि निजी और सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए कानूनों की कमी नहीं है। अकेले सख्त कानून से न्यायपूर्ण व्यवस्था नहीं बनाई जा सकती। समाज के पितृ सत्तात्मक रवैये को बदलने के लिए मानसिकता को बदलने की जरूरत है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि हमें संस्थागत और व्यक्तिगत क्षमता को बढ़ावा देना चाहिए। एक कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि निजी और सार्वजनिक स्थितियों में महिलाओं के हितों की रक्षा के लिए लक्षित ठोस और प्रक्रियात्मक कानूनी प्रावधानों की कोई कमी नहीं है। लेकिन कड़े कानून अकेले न्यायपूर्ण समाज का निर्माण नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि हमें अपनी मानसिकता बदलने की जरूरत है। मानसिकता को महिलाओं के लिए रियायतें देने से हटकर स्वतंत्रता और समानता के आधार पर जीवन जीने के उनके अधिकार को पहचानने की ओर बढ़ना चाहिए।

जीवन के कुछ महान सबक... प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि हमें महिलाओं की स्वतंत्रता और विकल्पों का उल्लंघन करने वाले सुरक्षात्मक कानूनों के खिलाफ उनकी रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं के अधिकारों के बारे में बात करना महिलाओं की बात नहीं है। जीवन के कुछ महान सबक मैंने अपनी महिला सहकर्मियों से सीखे हैं। मेरा मानना है कि बेहतर समाज के लिए महिलाओं की समान भागीदारी महत्वपूर्ण है। भारत के संविधान को अपनाने से पहले भारतीय महिला जीवन चार्टर का मसौदा हंसा मेहता ने तैयार किया था। वे नारीवादी थीं।

अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की संस्कृति की अपील अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता और कानून के शासन पर एक सम्मेलन में भारत के प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि देश के लिए अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता की संस्कृति को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभाने का समय आ गया है, जिससे घरेलू अदालतों से परे विवाद समाधान के लिए समान अवसर उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि कानून के शासन के प्रति सम्मान निष्पक्षता, स्थिरता और पूर्वानुमान को बढ़ावा देता है जो बदले में आर्थिक विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाता है क्योंकि निवेशक ऐसी प्रणाली में पनपते हैं जहां अधिकारों की रक्षा की जाती है, अनुबंधों को लागू किया जाता है और विवादों को कुशलतापूर्वक हल किया जाता है।

मंदसौर में जुलूस के दौरान हंगामा, असामाजिक तत्व ने पत्थर फेंका

मंदसौर। मंदसौर शहर में सोमवार को ईद मिलादुन्नबी जुलूस के दौरान हंगामा हो गया। आरोप है कि जुलूस से किसी असामाजिक तत्व ने पत्थर फेंका जिसके कारण मंदिर में खड़ा एक शख्स और पुजारी घायल हो गए। जैसे ही यह सूचना फैली बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। लोग मंदिर के सामने बैठकर नारेबाजी करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। इसके बाद तनाव की स्थिति बन गई। हंगामे की सूचना मिलते ही भारी संख्या में पुलिस बल के साथ एसपी और एएसपी मौके पर पहुंचे और हालात को संभाला। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाया। माहौल खराब होता देख कारोबारियों ने अपनी दुकानें बंद कर दीं। घटना के बाद बाजार में सन्नाटा पसर गया । इलाके में सुरक्षा और शांति कायम करने के लिहाज से भारी पुलिस बल तैनात किया गया । मंदिर

के पुजारी और हिंदू संगठनों ने आरोप लगाया कि जब जुलूस नेहरू बस स्टैंड स्थित बड़े बालाजी मंदिर पहुंचा तो जुलूस के बीच से किसी असामाजिक तत्व ने मंदिर की ओर पत्थर फेंका। इससे मंदिर में खड़ा एक व्यक्ति घायल हो गया। फिर दोनों समुदायों के बीच तनाव गहरा गया। आनन-फानन में पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए मुस्लिम समाज के जुलूस को गंतव्य तक पहुंचाया। इसके बाद बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। काफी देर तक पुलिस और लोगों के बीच खींचतान चली। आखिर में लोग सड़क पर बैठ गए। मंदसौर सांसद सुधीर गुप्ता ने कहा- यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। सभी शांति बनाए रखें। उपद्रवियों को दंडित किया जाए। शांति भंग क्यों हुई इसे देखा जाना चाहिए। पुजारी ने यह भी दावा किया कि एक पत्थर से उनके पैर में भी चोट आई है। विरोध करने पर कुछ पत्थर और चप्पल भी फेंके गए। वहीं पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनंद ने बताया कि मामले की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और उपद्रव कर रहे लोगों को समझाया। मंदिर पुजारी की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने बलवा और मारपीट की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि फुटेज में दिखने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रतिमा खंडित होने और शहर बंद जैसी कोई बात नहीं है।

भागवत बोले- देश के अच्छे और बुरे के जिम्मेदार सिर्फ हिंदू

अलवर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत हिंदू राष्ट्र है। इसका कारण यह है कि हिंदू समाज ही इसका उत्तरदायी है। इस राष्ट्र का अच्छा होता है तो हिंदू समाज की कीर्ति बढ़ती है और राष्ट्र में कुछ गड़बड़ होता है तो इसका दोष भी हिंदू समाज पर आता है। इस कारण हिंदू ही इस देश का कर्ताधर्ता व पालनहार है। संघ प्रमुख भागवत ने यह बात अलवर प्रवास के दौरान इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित नगर स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण कार्यक्रम में संबोधन के दौरान कही। स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण कार्यक्रम में संघ प्रमुख भागवत ने आरएसएस क्यों है और क्या है ? के मायने बताए। सरसंघचालक ने कहा कि संघ की शाखा में छोटे-मोटे सीधे-साधे कार्यक्रम करते हैं,

जिनका उद्देश्य भारत राष्ट्र को समर्थ करना है।

सरसंघ चालक भागवत ने स्वयंसेवकों से राष्ट्र को वैभव संपन्न बनाने के लिए सामर्थ्यवान बनने का काम पुरुषार्थ के साथ करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि हमें समर्थ संपन्न बनना है। इसके लिए पूरे समाज को योग्य बनाना पड़ेगा। संपूर्ण हिंदू समाज को संगठित करना है। भागवत ने हिन्दू धर्म के भाव को भी स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म वास्तव में मानव धर्म है, विश्व धर्म है। यह सबके कल्याण की कामना लेकर चलता है। हिंदू मतलब विश्व का सबसे उदारतम मानव, जो सबकुछ स्वीकार करता है, सबके प्रति सद्भावना रखता है।

भागवत ने कहा कि हिंदू पराक्रमी पूर्वजों का वंशज है, जो विद्या का उपयोग विवाद पैदा करने के लिए नहीं, बल्कि ज्ञान देने के लिए करता है। धन का उपयोग मदमस्त होने के लिए नहीं, दान के लिए करता है और शक्ति का उपयोग दुर्बलों की रक्षा के लिए करता है। वह पूजा किसी की भी करता हो, भाषा कोई भी बोलता हो, किसी भी जात-पात और किसी भी प्रांत का रहने वाला हो, कोई भी खानपान रीति-रिवाज को मानता हो, यह मूल्य जिनके हैं, यह संस्कृति जिनकी है, वह सब हिंदू हैं।

कूनो जंगल में प्रोजेक्ट चीता के दो साल: कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले, आठ चीतों की मौत ने चिंता बढ़ाई

चीतों की आजादी पर संकट बरकरार, अब भारत के अपने हैं 12 चीते

भोपाल। 17 सितंबर 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने जन्मदिन पर नामीबिया से लाए गए 8 चीतों को कूनो नेशनल पार्क में छोड़ा था। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका से भी चीते लाए गए। भारत में चीतों को फिर से बसाने के इस प्रोजेक्ट को दो साल पूरे हो गए हैं। प्रदेश में चीता प्रोजेक्ट के दो सालों में कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले। आठ चीतों की मौत ने चिंता बढ़ाई, लेकिन 12 शावकों का जन्म उम्मीद की किरण लेकर आया। ये शावक अब कूनो के जंगल में पल रहे हैं और अपनी मां से शिकार करना सीख रहे हैं। कूनो प्रबंधन ने शावकों का एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें वे अपनी मां के साथ खेलते और उछलते-कूदते नजर आ रहे हैं।

ऐतिहासिक यात्रा

कूनो प्रबंधन का कहना है कि दो साल पहले, हमने एक ऐतिहासिक यात्रा शुरू की थी। लगभग 70 वर्षों के बाद भारत में चीतों को फिर से लाने की भारत की महत्वाकांक्षी परियोजना 17 सितंबर 2024 को दो सफल वर्ष पूरे कर रही है। यह परियोजना, वैश्विक स्तर पर एक अग्रणी प्रयास है, जो खोई हुई वन्यजीव आबादी और पारिस्थितिकी तंत्र को बहाल करने की आशा का प्रतीक है। यह एक आसान रास्ता नहीं रहा है। आवास समायोजन से लेकर जंगल में शावकों के अस्तित्व को सुनिश्चित करने तक, कई चुनौतियों पर काबू पाया गया। आज दुनिया इन चीता शावकों को उनके प्राकृतिक आवास में पनपते हुए देख रही है। यह हमारे पारिस्थितिकी तंत्र में संतुलन बहाल करने की शुरुआत है। आगे और भी कई मील के पत्थर हैं।

हर साल आएंगे 12 से 14 चीतें

अभी भी कई चुनौतियां बाकी हैं। कूनो जंगल चीतों की बढ़ती आबादी के लिए छोटा पड़ रहा है। इसीलिए गांधी सागर अभ्यारण को भी चीतों का नया घर बनाने की तैयारी चल रही है। यहां केन्या से चीते लाए जाएंगे। चीतों को खुले जंगल में छोड़ने को लेकर भी अभी संशय बना हुआ है। हाल ही में एक चीते की पानी में डूबने से मौत हो गई थी। ऐसे में कूनो प्रबंधन फिलहाल सभी चीतों को बाड़े में ही रखेगा। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि चीता प्रोजेक्ट अभी शुरूआती दौर में है।

चार साल की मासूम से दुष्कर्म करने वाले की सजा के खिलाफ दायर अपील कोर्ट ने की निरस्त, हाईकोर्ट ने की तल्ख टिप्पणी

निर्भया कांड से भी किसी ने सबक नहीं सीखा

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। निर्भया कांड की भयावहता से भी किसी ने कोई सबक नहीं सीखा। बहुत दुखद बात है कि देश में किशोरों के साथ बहुत नरम व्यवहार किया जा रहा है। मासूम के साथ दुष्कर्म करने वाला दुष्कर्मी फरार है। शायद वह सड़क के किसी अंधेरे कोने में एक और शिकार की तलाश में छुपा हुआ है। उसे रोकने वाला कोई नहीं है। कठोरतम कानून को लेकर बार-बार आवाज उठती रही है, निराशा की बात है कि निर्भया कांड के बावजूद इसे लेकर कुछ नहीं हुआ। इस तल्ख टिप्पणी के साथ मप्र हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने चार वर्षीय मासूम से दुष्कर्म करने वाले दुष्कर्मी की सजा के खिलाफ दायर अपील निरस्त कर दी।

कोर्ट ने नाबालिग अपराधियों के मामले में देश में नरम कानून को लेकर अफसोस जताया है। 29 दिसंबर 2017 को वारदात के दिन दुष्कर्मी की आयु 17 वर्ष 3 माह 27 दिन थी। विचारण न्यायालय ने 8 मई 2019 को इस मामले में फैसला सुनाते हुए दुष्कर्मी को 10 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाते हुए सुधारगृह भेज दिया था। उसे 21 वर्ष तक की आयु पूरी करने तक वहां

रखने और इसके बाद जेल शिफ्ट किया जाना था, लेकिन 13 नवंबर 2019 को ही वह सुधारगृह से भाग गया। उसने जिला न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट में अपील दायर की थी। इस अपील को निरस्त करते हुए न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर ने कहा कि यह टिप्पणी करते हुए दुख हो रहा है कि इस देश में नाबालिग अपराधियों के साथ बहुत नरमी बरती जा रही है। यह पीड़ितों का दुर्भाग्य है कि निर्भया कांड की भयावहता से भी किसी ने कोई सबक नहीं सीखा।

जिला न्यायालय का फैसला सही

दुष्कर्मी ने यह कहते हुए जिला न्यायालय के फैसले को चुनौती दी थी कि किराए के विवाद के कारण मामला गढ़ा गया है, लेकिन हाई कोर्ट ने इसे निरस्त कर दिया। कोर्ट ने कहा कि पीड़िता की मां खुद घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंची थीं। वहां उन्होंने चार वर्षीय बेटी को बेहोश पाया था। उसके गुप्तांगों से रक्त बह रहा था। दुष्कर्मी पीड़िता के पास खड़ा था। ऐसी स्थिति में दुष्कर्मी के खिलाफ झूठा प्रकरण दर्ज कराने और असली आरोपित को बचाने का कोई कारण नहीं है।

29 दिसंबर 2017 को हुई थी घटना

हाईकोर्ट में यह बात भी आई कि यह घटना 29 दिसंबर 2017 को हुई थी, जब पीड़िता की मां ने अपनी चार वर्षीय बेटी को बेहोश पाया और उसके गुप्तांगों से खून बह रहा था। आरोपी ने 17 साल की उम्र में अपराध किया था। दो साल के भीतर मई 2019 में जिला अदालत ने उसे जुवेनाइल एक्ट में दोषी मानते हुए 10 साल की सजा सुनाई थी। जिला कोर्ट ने कहा था कि आरोपी की उम्र 21 साल होने तक उसे बाल सुधारगृह में रखा जाए। उसके बाद जेल में शिफ्ट कर दें।

आरोपी के वकील के तकज़खारिज किए

आरोपी के वकील ने तर्क दिया था कि किराए के विवाद के कारण मामला गढ़ा गया है। वकील ने पीड़िता की उम्र के दस्तावेजों पर सवाल उठाया। इस पर अदालत ने कहा कि पीड़िता की मां जो खुद घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंची थी, जहां उसने आरोपी को अपनी बेटी के पास खड़ा पाया था। पहले से ही खून बह रहा था। आरोपी के खिलाफ झूठा मामला दर्ज करने और असली अपराधी को बचाने का कोई कारण नहीं था। अपीलकर्ता को सही तरीके से दोषी ठहराया गया है।

इसके अलावा अदालत ने मेडिकल गवाही और परिस्थितिजन्य साक्ष्य के आधार पर पीड़िता की उम्र को विश्वसनीय पाया।

हाई कोर्ट ने टिप्पणी की, अभियोजन पक्ष ने पीड़िता की उम्र और उसे लगी चोटों की प्रकृति को पर्याप्त रूप से साबित कर दिया है, जो आरोपों की पुष्टि करता है।

भंडारे के दौरान छात्र की हत्या
सीने में चाकू घोपा

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। इंदौर के हीरानगर क्षेत्र में रविवार देर रात कुछ युवकों ने कक्षा 12 वीं के छात्र की हत्या कर दी। गणेशोत्सव में हुए भंडारे के दौरान दो पक्षों में विवाद हुआ था। इस दौरान कुछ युवकों ने 20 वर्षीय अभिजित के सीने में चाकू घोपें। वार इतना तेज था कि चाकू सीने के आर-पार हो गया। परिजन घायल युवक को अस्पताल ले गए, लेकिन धड़कन बंद होने के कारण उसकी मौत हो चुकी थी। इस घटना में अभिजित का एक साथी भी घायल हुआ है। उसका निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। हीरानगर में रविवार को भंडारे का आयोजन किया गया। यहां सचिन वर्मा आया था। सचिन अपराधिक प्रवृति का है। उसका अभिजित और उसके साथी सौरभ से विवाद हो गया। सचिन के उसके सात दोस्त भी थे। सचिन से अभिजित की कहासुनी हो गई। इसके बाद लात-घूसे चले और फिर सचिन ने चाकू निकालकर अभिजित और सौरभ पर वार करना शुरू कर दिए। एक वार अभिजित के सीने पर लगा, जो जानलेवा साबित हुआ। परिजन उसे भंडारी अस्पताल ले गए। वहां से

उसे एमवाय अस्पताल ले जाया गया,लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। साथी सौरभ भी चाकू लगने से घायल हुआ है।

हत्या के बाद आरोपी फरार हो गए थे, लेकिन पुलिस ने रात को दबिश देकर आरोपी सचिन वर्मा, युवराज यादव, मनीष यादव, निखिल, नीरज, अंकित, अक्षय और अमित अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया। अभिजित गुना के अशोक नगर का रहने वाला है। इंदौर में पढ़ाई के लिए वह मामा के साथ रहता था।

सभी आरोपी गिरफ्तार

सभी 8 आरोपियों- सचिन वर्मा, मनीष यादव, युवराज यादव, नीरज कोरी, निखिल कोरी, अंकित, अक्षय और अमित अहिरवार को रात में ही गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उनसे वारदात की वजह को लेकर पूछताछ कर रही है। अभिजीत मूल रूप से गुना के पास अशोक नगर का रहने वाला था। पिता किसान हैं। वह बीते सात साल से इंदौर में मामा के साथ रहकर पढ़ाई कर रहा था। अभिजित का भाई रणजीत भी साथ ही रहता है। पुलिस के मुताबिक अभिजीत मर्डर केस में शामिल युवराज यादव जनवरी में रणजीत हनुमान की प्रभात फेरी में हुए मर्डर में भी आरोपी था। 4 जनवरी को प्रभात फेरी में सुबह 7 बजे बजरंग दल कार्यकर्ता शुभम पिता नरेंद्र रघुवंशी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी।

गणेश पंडाल में सो रहे युवकों पर भी हमला

इंदौर के ही अन्नपूर्णा इलाके में भी रविवार रात को कुछ बदमाशों ने दो गणेश पंडालों में सो रहे युवकों पर हमला कर दिया। चार घायल हुए हैं। पुलिस ने लाल बहादुर शास्त्री नगर के रहने वाले कुणाल खरे की शिकायत पर विक्की झांझोट और साथियों पर केस दर्ज किया है। कुणाल ने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त कान्हा बुंदेला के साथ पंडाल में सोया था। टॉयलेट के लिए निकला तो विक्की और उसके साथियों ने रोक लिया। पूछा- रात में 2 बजे क्यों घूम रहे हो? विक्की ने गाली-गलौज करते हुए हाथ का कड़ा सिर में मार दिया। कान्हा बचाने आया तो उसे भी जमीन पर पटककर घूंसे-लातों से पीटा। इसके बाद आरोपी पास में ही घनश्याम नगर के पंडाल पहुंचे।

यहां सो रहे गौरव, सूरज और बाबू को उठाया। उनके साथ भी मारपीट की। यहां गौरव का सिर फोड़ दिया गया। सूरज को भी सिर में डंडा मारा। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पलवल स्टेशन पर काम पूरा

मालवा और नई दिल्ली सुपर फास्ट एक्सप्रेस बहाल

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। उत्तर रेलवे के पलवल स्टेशन पर मेगा ब्लॉक के कारण 10 दिनों से इंदौर से दिल्ली, वैष्णोदेवी और अमृतसर की तरफ जाने वाली ट्रेनें प्रभावित थी, लेकिन काम पूरा होने के बाद अब ट्रेनें फिर पटरी पर लौट आई हैं। इंदौर से दिल्ली की तरफ जाने वाली कई ट्रेनें 7 सितंबर से 16 सितंबर सोमवार तक प्रभावित थीं। हरियाणा के पलवल स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग कार्य के कारण ट्रेनें रद्द की गई थीं। इस कारण इंदौर से दिल्ली जाने वाली बसों में भी यात्रियों का दबाव रहा, लेकिन अब राह फिर आसान हो गई। इंदौर से दिल्ली के लिए सप्ताह में तीन दिन चलने वाली सुपर फास्ट ट्रेन (20958) फिर बहाल हो गई है। यह सुबह जल्दी गंतव्य तक पहुंचा देती है।ज्यादातर यात्री इस ट्रेन में ही सफर करना पसंद करते

है। रविवार से इंटरसिटी एक्सप्रेस भी अपने पुराने रूट से चलने लगी है।

बीते 10 दिनों से इस ट्रेन को बदले हुए रूट से चलाया जा रहा था। यह ट्रेन गंगापुर, रेवाड़ी, दौसा से होते हुए नई दिल्ली जाती थी। इस कारण ट्रेन भी काफी लेट हो रही थी। सोमवार को ही ट्रेन सात घंटे देरी से इंदौर पहुंची थी। इंदौर-हजरत निजामुद्दीन भी बहाल हो गई है। वैष्णोदेवी कटरा ट्रेन पांच दिन पहले ही शुरू हो गई है। उधर, इंदौर अमृतसर ट्रेन भी फिर से शुरू हो गई है। ट्रेनें रद्द होने के कारण बीते 10 दिनों यात्रियों को काफी परेशानी हुई थी। कई यात्रियों को सड़क मार्ग से सफर करना पड़ा। पलवल स्टेशन पर नॉन इंटरलॉकिंग का काम तय समय पर पूरा होने से ट्रेनें भी समय पर फिर पटरी पर आ गईं।

पतंग निकालने में बच्चे की मौत, बिजली के तारों से लगा करंट

इंदौर। चंदन नगर इलाके में रविवार को एक दुखद घटना घटी, जहां 6 साल के बच्चे की करंट लगने से मौत हो गई। वह पतंग उतार रहा था, जब उसका हाथ बिजली के तार से टकरा गया और उसे करंट लग गया। पुलिस के अनुसार, मृतक बच्चे का नाम मोहम्मद शाद था, जो सहयोग नगर का निवासी था। रविवार शाम को मोहम्मद शाद पतंग उतार रहा था, जब अचानक उसका हाथ बिजली के तार से टकरा गया और उसे करंट लग गया। वह बेहोश हो गया और सामने दुकानदार ने उसे गिरते हुए देखा। दुकानदार ने तत्काल परिवार के लोगों को जानकारी दी और उन्हें नजदीक के अस्पताल ले गए। इसके बाद उसे एमवाय अस्पताल रैफर कर दिया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है और जांच शुरू कर दी है। यह घटना एक बार फिर से बिजली के तारों की लापरवाही और सुरक्षा की कमी की ओर इशारा करती है। इस घटना से परिवार के लोगों में शोक की लहर है। इंदौर में बिजली के तार से करंट लगने के मामले में कई बच्चों की जान जा चुकी है। हर साल कई बच्चे इस तरह के हादसों में जान गंवाते हैं। कई घरों से बिजली के तार सटकर निकले हैं जिनके कारण हमेशा हादसों का डर बना रहता है।

आठ माह पहले गायब युवती घर पहुंची
पूर्व पड़ोसी पर रेप का केस

इंदौर। इंदौर की लसूडिया पुलिस ने एक युवती की शिकायत पर उसके पूर्व पड़ोसी के खिलाफ रेप का मामला दर्ज किया है। आरोपी आठ माह पहले युवती को अपने साथ ले गया था। उसे गुजरात में रखा और उसके साथ संबंध बनाए। इसके बाद इंदौर में कमरे में बंधक बनाकर रखा। युवती मौका मिलने पर अपनी मां के पास पहुंची। बाद में थाने आकर केस दर्ज कराया।

लसूड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ओमेक्स सिटी के पास में रहने वाली एक युवती की शिकायत पर उसके पूर्व पड़ोसी दिनेश भांवर के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया गया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसके पिता

की 8 साल पहले मौत हो चुकी है। वह अपने परिवार के साथ जहां रहती थी, वहां दिनेश नजदीक ही रहता था। इसलिए उससे जान-पहचान थी। होली के त्योहार पर दिनेश ने कहा कि वह उसे पसंद करता है। शादी करने की बात कही। उसके साथ चली गई। वह पहले अपने गांव ले गया। इसके बाद काम का कहकर गुजरात ले गया। यहां साथ में रहकर काम करवाता रहा। इस दौरान कई बार संबंध बनाए।कुछ माह पहले इंदौर लेकर आया। यहां पर उसने बंधक बनाकर घर में ही रखा। कहीं आने-जाने नहीं देता। शादी भी नहीं की। शुक्रवार की शाम दिनेश जब घर से काम के लिए निकला तो वह चुपचाप घर से निकल गई। रास्ते में उसने ऑटो रोकी ओमेक्स सिटी आ गई और मां को पूरी बात बताई।

पुलिस के मुताबिक पीड़िता ने अपने बयान में बताया कि दिनेश धमकी देता था कि उसके पास से भागकर घर या कही गई तो वह ढूंढ कर हत्या कर देगा। इसके कारण हमेशा डर कर रहती थी। पीड़िता के मुताबिक आरोपी उसके रुपए भी रख लेता था।

इंदौर एयरपोर्ट नो फ्लाइंग-रेड जोन घोषित, राष्ट्रपति के दौरे को लेकर तैयारियां तेज

इंदौर। इंदौर में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए एयरपोर्ट और कार्यक्रम स्थल को नो फ्लाइंग जोन और रेड जोन घोषित किया गया है। 17 सितंबर से 19 सितंबर तक एयरपोर्ट सहित मृगनयनी एम्पोरियम एमजी रोड, रेसीडेंसी कोठी और खंडवा रोड स्थित देवी अहिल्या विश्वविद्यालय नो फ्लाइंग जोन रहेंगे। एयरपोर्ट और कार्यक्रम स्थल के 3 किलोमीटर की परिधि में ड्रोन, पैरा ग्लाइडर और अन्य फ्लाइंग ऑब्जेक्ट उड़ाने पर रोक रहेगी। बता दें कि 18 और 19 सितंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू इंदौर में रहेगी। इधर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के 18 और 19 सितंबर के प्रस्तावित इंदौर दौरे को लेकर तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जिला प्रशासन, नगर निगम और पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से राष्ट्रपति के इंदौर दौरे की तैयारियां की है। इंदौर नगर निगम द्वारा भी राष्ट्रपति के इंदौर दौरे को लेकर व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई है। तैयारियों का जायजा लेने के लिए नगर निगम कमिश्नर शिवम वर्मा ने अन्य अधिकारियों के साथ राष्ट्रपति के इंदौर आगमन के मार्ग का निरीक्षण किया।

महू में पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा, 10 हजार पौधों से सजेगा नया पिकनिक स्पॉट

सिटी चीफ इंदौर

इंदौर। बारिश के कारण इंदौर जिले के महू शहर और उसके आस-पास का क्षेत्र प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर हो जाता है। महू के आसपास कई ऐसे पर्यटन स्थल हैं, जो अपनी सुंदरता से सैलानियों को आकर्षित करते हैं। अब महू के पास आशापुरा को भी एक पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित किया जा रहा है। महू में पहले से ही कई पर्यटन स्थल हैं जो अपनी सुंदरता और ख्याति के लिए देशभर में जाने जाते हैं, जिनमें मुख्य रूप से पातालपानी, तींछाफाल, जाम गेट और आम्बाझार शामिल हैं. जल्द ही इसमें आशापुरा भी जुड़ जाएगा।

महू से करीब 20 किमी की दूरी पर आशापुरा को नया पिकनिक स्पॉट बनाया जा रहा है। इसके लिए 20 हेक्टेयर वन भूमि पर लगभग 50 लाख रुपए की लागत से 10 हजार पेड़ लगाकर सिटी फॉरेस्ट तैयार किया जाना था, लेकिन वन विभाग ने बजट घटाकर 5 हजार पेड़-पौधे कर दिया। अब बाकी 5000 पेड़ लगाने का खर्चा सामाजिक संस्थाएं उठा रही हैं। महू वन विभाग के एसडीओ का कहना है कि पर्यावरण और पर्यटन प्रेमियों के लिए आशापुरा का यह सिटी फॉरेस्ट नया पिकनिक स्पॉट बनने जा रहा है।

3 फीट के 5000 पेड़ लगाए जाएंगे

महू वन विभाग के एसडीओ कैलाश जोशी ने बताया कि आशापुरा की 20 हेक्टेयर वन भूमि महू, इंदौर, जामगेट, बडगोंदा नर्सरी वाले रोड से लगी हुई है. पहले इस जमीन पर स्थानीय लोगों ने कब्जा कर रखा था, जिसे प्रशासन के सहयोग से मुक्त करा लिया गया है। अब वन विभाग यहां 23 लाख रुपए की लागत से ढाई से 3 फीट के 5000 पेड़ लगाएगा, और बाकी 5000 पेड़ सामाजिक संस्था रामाधार न्यास लगाएगी. पेड़ों के बड़े होने तक का खर्चा वन विभाग और संस्था उठाएगी, जबकि सिंचाई की व्यवस्था विधायक उषा ठाकुर करेंगी।

लगाए जा रहे कपूर-बादाम के पेड़

एसडीओ जोशी ने बताया कि यहां 1 सितंबर से पेड़ लगाने का काम जारी है। फलदार और छायादार पेड़ लगाने के अलावा यहां कपूर और बादाम के 1000 पेड़ लगाए जा रहे हैं। आंवला, पीपल, नीम, बरगद के अलावा लगभग 20 अन्य प्रजातियों के पेड़ भी लगाए जा रहे हैं।

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2024: राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव आज देंगे सौगात

सभी जिला अस्पताल में शुरू होंगे पीएम जन औषधि केंद्र

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 17 सितम्बर से शुरू हो रहे स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2024 के पहले दिन सभी जिला चिकित्सालयों में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्रों के संचालन का शुभारंभ करेंगे। यह कदम प्रदेश के नागरिकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण प्रयास है। चिकित्सालयों में जन औषधि केंद्र का शुभारम्भ, स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को बेहतर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। राजधानी भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेन्शन सेंटर में सुबह 10 बजे आयोजित होने वाले समारोह में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, नगरीय विकास एवं आवास कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल, नगरीय विकास एवं आवास राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राधा सिंह विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र परियोजना का शुभारंभ वर्ष 2008 में सस्ती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया गया था। वर्ष 2015 के बाद से इस योजना में और

गति आयी। इसका उद्देश्य पूरे देश में सस्ती दवाइयों की पहुंच को व्यापक बनाना था। वर्तमान में इस परियोजना में देश में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोले जा रहे हैं, जिससे ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोग सस्ती जेनेरिक दवाओं का लाभ उठा सकें। वर्तमान में मध्य प्रदेश में 500 से अधिक जन औषधि केंद्र कार्यरत हैं, जो प्रदेश के विभिन्न जिलों में संचालित हैं। ये केंद्र शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में स्थापित किए गए हैं, जिससे सभी नागरिकों को सस्ती दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके। इन केंद्रों के माध्यम से प्रतिदिन हजारों लोग सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाइयां खरीद रहे हैं। उनके मासिक चिकित्सा खर्चों में बड़ी बचत हो रही है। अब सभी जिला चिकित्सालयों में भी प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केंद्र खोले जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के लाभ

सभी को सस्ती दरों पर गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाइयां उपलब्ध कराना मुख्य उद्देश्य है। मरीजों को ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 50त्न से 90त्न तक कम दाम पर दवाइयां उपलब्ध होंगी। ग्रामीण और शहरी परिवारों को सस्ती दवाइयां मिलेंगी। मासिक चिकित्सा खर्चों में बड़ी बचत होगी। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होगी। सस्ती और सुलभ दवाओं के माध्यम से लोग अपने उपचार को निरंतर जारी रख सकेंगे, जिससे स्वास्थ्य परिणामों में सुधार होगा। विशेष रूप से मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी पुरानी बीमारियों के प्रबंधन में यह केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

स्थानीय स्तर पर बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के माध्यम से जेनेरिक दवाओं की गुणवत्ता और प्रभावशीलता को लेकर जागरूकता बढ़ेगी, जिससे लोग ब्रांडेड दवाओं पर निर्भरता कम करेंगे और सस्ती जेनेरिक दवाओं को अपनाएंगे। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी उत्पन्न होंगे। प्रत्येक केंद्र के चालन के लिए फार्मासिस्ट और अन्य कर्मचारी आवश्यक होंगे, जिससे राज्य में नए रोजगार के अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र राज्य में सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता किए जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह केंद्र प्रदेश के नागरिकों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराकर उनकी चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएगा।

51 हजार प्रधानमंत्री आवासों का गृह प्रवेश

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 2024 के पहले दिन इसी स्थान पर सुबह 10ः30 बजे प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में देश के 4 लाख आवासों का गृह प्रवेश कार्यक्रम होगा। इनमें मध्यप्रदेश के 51 हजार आवासों में गृह प्रवेश होगा। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2-0 का शुभारंभ तथा पीएम स्वनिधि अंतर्गत पीआरएआईएसई अवार्ड वितरित किये जायेंगे। इस कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास कैलाश विजयवर्गीय मुख्य अतिथि होंगे। नगरीय विकास एवं आवास राज्य श्रीमती प्रतिमा बागरी अध्यक्षता करेंगी। भोपाल नगर पालिग निगम की महापौर मालती राय, नगर पालिग निगम भोपाल के परिषद अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

युवती की आत्महत्या मामले में नया मोड़

घर में ठहराने वाले प्रेमी के शादीशुदा दोस्त ने एक रात पहले किया था दुष्कर्म

सिटी चीफ भोपाल।

नरसिंहपुर के गोटेगांव से प्रेमी के साथ भागकर भोपाल आई युवती की आत्महत्या मामले ने नया मोड़ ले लिया है। 13 सितंबर को आत्महत्या का कदम उठाने से एक रात पहले युवती के साथ उसके प्रेमी के शादीशुदा दोस्त ने दुष्कर्म किया था। अगले दिन सुबह जब युवती ने यह बात अपने प्रेमी को बताई तो दोनों में झगड़ा हो गया और कुछ देर बाद दोपहर में युवती का शव फांसी के फंदे के साथ जमीन पर पड़ा मिला था।

रविवार को पुलिस से पूछताछ में प्रेमी ने घटना से जुड़े सारे राज बताए, जिसके बाद बागसेवनिया पुलिस ने प्रेमी, उसके दोस्त हर्षिल उर्फ हरेंद्र ठाकुर तथा दोस्त की पत्नी उर्वशी ठाकुर के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार किया। प्रेमी को आत्महत्या के लिए उकसाने और

दोस्त की पत्नी को साक्ष्य छिपाने का आरोपी माना गया है, जबकि हर्षिल दुष्कर्म का आरोपित है।

दोस्त के घर रुका था प्रेमी युगल

19 वर्षीय युवती और युवक के बीच स्कूल के टाइम दोस्ती थी और इसी दौरान प्रेम-प्रसंग भी शुरू हुआ था। युवती जबलपुर के कॉलेज में नर्सिंग प्रथम वर्ष की छात्रा थी। डीसीपी जोन-1 श्रद्धा तिवारी ने बताया कि करीब एक महीने पहले दोनों अपने घर से भागकर भोपाल आए थे। यहां वे युवक के दोस्त और दूर के रिश्तेदार हर्षिल व उसकी पत्नी के साथ रुके थे। हर्षिल बागसेवनिया इलाके में किराए के मकान में रहता है।

वह मूलतः पिपरिया का रहने वाला है और उसकी पत्नी यहां स्टेनोग्राफर के रूप में काम करती है।

मयंक ने कहा था, अब तुम्हें अपने पास नहीं रख सकता

डीसीपी श्रद्धा तिवारी ने बताया कि 12 सितंबर की रात जब युवक घर पर नहीं था, तब हर्षिल ने युवती के साथ दुष्कर्म किया था। युवती ने सुबह जब यह बात युवक को बताई तो उसने कहा कि तुमने दूसरे पुरुष के साथ संबंध बना लिए हैं, इसलिए मैं तुम्हें अपने साथ नहीं रख सकता हूं। मैं वापस तुम्हें छोड़कर आ जाऊंगा। दोनों के बीच झगड़ा हो गया और प्रेमी घर से बाहर चला गया था। इधर, हर्षिल भी अपनी पत्नी को लेकर पिपरिया गया था। झगड़े के कुछ ही देर बाद युवती ने आत्महत्या कर ली थी। आगामी जांच के लिए पुलिस पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

एक से ज्यादा बिजली मीटर लगवाए तो कराना होगी केवाईसी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश में 2018 में शुरू किए गए 100 यूनिट के 100 रुपए बिल योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं ने अपने घरों में एक से ज्यादा इलेक्ट्रिसिटी मीटर लगाए हैं। अब ऐसे उपभोक्ताओं पर नकेल कसना शुरू हो गया है। राजधानी भोपाल में एक से ज्यादा मीटर लगवाने वाले उपभोक्ताओं को केवाईसी करने के लिए नोटिस जारी किया जा रहा है। बिजली कंपनी एक से ज्यादा मीटरों की जांच करने के लिए उपभोक्ताओं की केवाईसी शुरू कर दी है, ताकि एक घर में दो मीटर लगाकर सब्सिडी लेने वालों के मीटर कनेक्शन काटा जा सके।

समग्र आईडी के माध्यम से केवाईसी प्रक्रिया शुरू

नकारी के लिए बतादें कि बिजली कंपनी ने उपभोक्ताओं की समग्र आईडी के माध्यम से केवाईसी प्रक्रिया शुरू की है। यह प्रक्रिया निष्ठा एप और उपाय एप के माध्यम से की जाएगी। कंपनी ने उपभोक्ताओं को सावधान किया

है कि प्रक्रिया के दौरान उनके मोबाइल नंबर समग्र पोर्टल पर पंजीकृत हों और इंटरनेट कनेक्शन मजबूत हो। इससे ओटीपी प्राप्त करने में कोई समस्या न आएगी। कमजोर कनेक्टिविटी के कारण कभी-कभी ओटीपी प्राप्त करने में देरी हो सकती है। यदि किसी उपभोक्ता को केवाईसी करते समय कोई समस्या होती है, तो वे कंपनी के टोल-फ्री नंबर या कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। इधर मध्य प्रदेश मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने गैर घरेलू और औद्योगिक कनेक्शनों के लिए नया टैरिफ प्लान लागू किया है। अब समय के आधार पर बिजली की दरें तय की जाएंगी। मसलन सौर घंटों (दिन के समय) बिजली का उपयोग करने के दौरान उपभोक्ता को ऊर्जा प्रभार की सामान्य दर पर 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी। पीक अवधि (शाम के बाद) बिजली का उपयोग करने पर 20 प्रतिशत का अधिभार देना होगा। ऐसी स्थिति में गैर घरेलू और औद्योगिक कनेक्शनधारियों के लिए मुश्किलें हो गई है।

भोज मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड कोर्स के आवेदन शुरू

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी भोपाल स्थित भोज मुक्त विश्वविद्यालय में सबसे ज्यादा डिमांडिंग बीएड कोर्स में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। विश्वविद्यालय एनसीटीई के विभिन्न कोर्सेस में एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू कर रहा है। इसके लिए आवेदन 11 अक्टूबर तक किए जा सकेंगे। दो वर्षीय बीएड के संपूर्ण पाठ्यक्रम की फीस 30 हजार रुपए है। इसके साथ ही रजिस्ट्रेशन फीस 800 रुपए देना होगी। इस कोर्स के लिए आवेदन को स्नातक अथवा स्नातकोत्तर में 50 प्रतिशत अंकों के साथ पास होना चाहिए। इसके अलावा इंजीनियरिंग या समतुल्य अर्हता वाले कोर्स के लिए 55 प्रतिशत अंकों की अनिवार्यता रखी गई है। भोज मुक्त विश्वविद्यालय में बीएड में एडमिशन के लिए होने वाली

प्रवेश परीक्षा 24 अक्टूबर को होगी। छात्रों को आवंटित ऑनलाइन केंद्रों की सूचना अलग से एमपी ऑनलाइन के माध्यम से दी जाएगी। इसके साथ ही डीएलएड दो वर्षीय पाठ्यक्रम 2024-26 के लिए भी रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुके हैं। इसके लिए अर्हता हायर सेकेंडरी 50 प्रतिशत अंकों के साथ पास। किसी सरकारी अथवा सरकारी मान्यता प्राप्त प्राथमिक स्कूल में अध्ययन का अनुभव और वर्तमान में नियमित शिक्षक के रूप में कार्यरत होना अनिवार्य है। इस कोर्स की फीस 19, 200 रुपए है। इसकी परीक्षा भी 24 अक्टूबर को ही होगी। इधर बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में सत्र 2023-24 स्नातक तृतीय वर्ष की प्रायोगिक परीक्षा के लिए शेड्यूल जारी किया है। विश्वविद्यालय द्वारा एनईपी प्रथम द्वितीय, तृतीय वर्ष के लिए जारी किए नियुक्त बाह्य परीक्षकों के सहयोग से दो सप्ताह में प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित कर अंक विवि की वेबसाइट पर अपलोड करने के निर्देश जारी किए है। प्रायोगिक परीक्षांक केवल निर्धारित प्रपत्र पर आंतरिक परीक्षक एवं बाह्य परीक्षक के नाम, मोबाइल नंबर, पते एवं हस्ताक्षरों के साथ प्रस्तुत किए जाएंगे। इनके अभाव में अंक स्वीकार्य नहीं होंगे। प्रायोगिक परीक्षाएं संपन्न कराकर अंक निर्धारित तिथियों तक ऑनलाइन निर्धारित लिंक पर अपलोड करने को कहा गया है। अकों की कागज प्रति भी गोपनीय शाखा में जमा कराने के निर्देश हैं।

नहीं मिला मिसेज सेंट्रल इंडिया नेहा का चोरी गया क्राउन, पुलिस कर रही जांच

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के भोजपुर क्लब से मिसेज सेंट्रल इंडिया का क्राउन चोरी के मामले में पुलिस जांच कर रही है। क्लब के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। क्लब के स्टॉफ से भी पुलिस चोरी के संबंध में पूछताछ कर रही है। शनिवार को नारी शक्ति सम्मान समारोह के दौरान घटना हुई थी। नेहा तिवारी ने 2023 में मिसेज सेंट्रल इंडिया का खिताब जीता था। नेहा के लिए यह क्राउन इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि उन्हें कोरिया में होने वाले इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन मिसेज इंडियन ओशन 2024 में पार्टिसिपेट करना है। यह कॉम्पिटिशन अगले हफ्ते ही है। जल्द यह ताज नहीं मिला तो नेहा पार्टिसिपेट नहीं कर सकेंगी। नियमों के अनुसार वे बिना ताज के कोरिया में होने वाले कॉम्पिटिशन में भाग नहीं ले पाएंगी। घटना शनिवार शाम की है। टीआई अजय कुमार सोनी ने बताया कि रविवार शाम नेहा की ओर से हबीबगंज थाने में शिकायती आवेदन भेजा गया। उन्होंने बताया कि शनिवार शाम नारी शक्ति सम्मान समारोह कार्यक्रम का समापन हो रहा था। फोटोशूट चल रहा था। उन्होंने क्राउन को स्टेज के करीब रखी टेबल पर रख दिया था। 10 मिनट बाद वे क्राउन लेने पहुंची तो वो गायब था। भोजपुर क्लब शहर के एलीट वर्ग का सोशल क्लब माना जाता है। क्लब में इस तरह की चोरी होना सभी को हैरान कर रहा है। इस कार्यक्रम में भोपाल की महापौर मालती राय समेत शहर की कई हाई प्रोफाइल महिलाएं मौजूद थीं। टीआई अजय कुमार सोनी ने बताया कि नेहा से फोन पर संपर्क किया है। जल्द उन्होंने थाने आकर शिकायत दर्ज कराने की बात कही है।

वीडी बोले-कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती है

भाजपा ने डिजिटल तकनीक से अब तक बनाए 40.92 लाख सदस्य

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्यप्रदेश भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि संगठन पर्व में मैदान में 41 लाख कार्यकर्ता उतरे है है। पार्टी का सभी 64871 बूथों पर सदस्य बनाने का अभियान चल रहा है। शर्मा ने बताया कि पार्टी ने डिजिटल तरीकों से अब तक 40,92, 401 सदस्य बनाए है। पार्टी कार्यकताओं ने भरे 37,7,683 सदस्यता फार्म भरे है। उन्होंने कहा कि इस बार पार्टी के कार्यकर्ता सदस्यता अभियान में नया रिकॉर्ड बनाएंगे। रविवार को किसान सदस्यता दिवस पर एक दिन में 6 लाख सदस्य बनाए गए है। उन्होंने बताया कि संगठन पर्व में अच्छे प्रदर्शन करने वाले 12 जिलों में मंदसौर, इंदौर नगर, अशोकनगर, इंदौर ग्रामीण, उज्जैन नगर, भोपाल नगर, जबलपुर नगर, भोपाल ग्रामीण, पन्ना एवं आगर हैं। और श्रेष्ठ 10 विधानसभों में इंदौर-1, मल्हारगढ, इंदौर-2, भोपाल मध्य, अशोकनगर, गरोठ, आगर, मंदसौर, जबलपुर कैंट एवं नर्मदापुरम शामिल है। शर्मा ने कहा कि सबसे कमजोर सैलाना विधानसभा में सदस्यता का रिकॉर्ड बनेगा। इस बार पिछले साल की तुलना में तेजी से सदस्य बन रहे। 25 सितंबर को दीनदयाल के जन्म जयंती के मौके पर हर बूथ पर 100 सदस्य बनाने का टारगेट रखा। सदस्य बनाने में देश में मध्य प्रदेश नंबर वन पर आएगा।

सरकार संवेदनशीलता से काम कर रही है

एससीआरबी की रिपोर्ट पर वीडी शर्मा ने कहा कि प्रदेश में क्राइम में कमी आई है। त्वरित कार्यवाही हो रही है। सरकार संवेदनशीलता से काम रही है। कांग्रेस के रिपोर्ट पर सवाल उठाने पर शर्मा ने कहा कि कांग्रेस का काम झूठ बोलना और फैलना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जोबट में कांग्रेस विधायक के बेटे द्वारा एक बहन की प्रताड़ना के आरोप पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस समाज की नहीं वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति करती है।

दिग्विजय सिंह झूठ बोलते और परोसते भी हैं

दिग्विजय सिंह के भाजपा के सदस्यता अभियान को लेकर सवाल उठाने पर कहा कि दिग्विजय सिंह से झूठ बोलने की सेल बनाना चाहिए। दिग्विजय सिंह झूठ बोलते है और झूठ को ही परोसते है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हर नेता झूठ बोलता है। उन्होंने कहा कि इनके झूठ बोलने से कुछ नहीं होगा। सदस्यता में कांग्रेस का वोट बैंक खिसक रहा है।

सम्पादकीय

मोदी सरकार के 100 दिन में 15 लाख करोड़ के प्रोजेक्ट

भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए सरकार ने अपने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों के दौरान 15 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इसमें 25,000 गांवों को सड़क नेटवर्क से जोड़ना और महाराष्ट्र के वधावन में एक विशाल बंदरगाह का निर्माण शामिल है। सरकार का बुनियादी ढांचे के अलावा कृषि पर भी फोकस रहा है।

भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए सरकार ने अपने अपने तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों के दौरान 15 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इसमें 25,000 गांवों को सड़क नेटवर्क से जोड़ना और महाराष्ट्र के वधावन में एक विशाल बंदरगाह का निर्माण शामिल है। सरकार का बुनियादी ढांचे के अलावा कृषि पर भी फोकस रहा है। इस अवधि में उसने खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी की। प्याज और बासमती चावल पर न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) को हटाया। कच्चे पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी तेलों के आयात शुल्क में इजाफा किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस साल नौ जून को लगातार तीसरी बार पदभार ग्रहण किया। मोदी सरकार का जोर नीतिगत मोर्चे पर स्थिरता प्रदान करने पर रहा है। मूल अवधारणा को कमजोर किए बिना शुरुआती समस्याओं को दूर करने के लिए कुछ बदलावों को अपनाने के लिए लचीला दृष्टिकोण अपनाया गया है। इसका एक उदाहरण वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) है, जिसमें टकराव कम करने के लिए 140 बदलाव किए गए हैं। सरकार ने महाराष्ट्र में 76,200 करोड़ रुपए की लागत से विशाल वधावन बंदरगाह को मंजूरी दी, जो दुनिया के शीर्ष 10 बंदरगाहों में से एक होगा। प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना-4 के तहत 49,000 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता से 25,000 गांवों को पक्की सड़क से जोड़ने के लिए 62,500 किलोमीटर सड़कों और पुलों के निर्माण/उन्नयन को मंजूरी दी गई। इनमें से कई गांवों की आबादी 100 से कम है। सरकार ने 50,600 करोड़ रुपए के निवेश से भारत के सड़क नेटवर्क को मजबूत करने को भी मंजूरी दी है। इसमें 936 किलोमीटर लंबी आठ राष्ट्रीय हाई-स्पीड रोड कॉरिडोर परियोजनाओं को मंजूरी भी शामिल है। मोदी सरकार ने लद्दाख को हिमाचल प्रदेश से जोड़ने वाली शिंखुन-ला सुरंग के निर्माण कार्य की शुरुआत के लिए भी पहल कर दी है। सरकार ने ट्रेन से तेज और सुविधाजनक यात्रा के लिए आठ नई रेलवे लाइन परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इससे 4.42 करोड़ मानव-दिवस रोजगार सृजित होंगे। राष्ट्रीय स्तर की समिति की ओर से नई राष्ट्रीय सहकारी नीति का मसौदा तैयार कर लिया गया है। उसे अंतिम रूप दिया जा रहा है। सरकार ने एग्रीश्योर नाम से एक नया कोष भी शुरू किया। इसका उद्देश्य कृषि क्षेत्र में क्रांति लाना और स्टार्टअप्स और ग्रामीण उद्यमों को समर्थन देना है। देश के 4 राज्यों इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर शामिल हैं। सरकार की 100 दिनों की प्राथमिकताओं से साफ दिखता है कि वह इन्फ्रास्ट्रक्चर और किसानों को लेकर सबसे ज्यादा एग्रेसिव है। मध्यम वर्ग को राहत देते हुए 7 लाख रुपए तक की आय पर कोई कर नहीं लगेगा। इसके अलावा वेतनभोगी व्यक्ति करों में 17,500 रुपए तक की बचत कर सकते हैं। पारिवारिक पेंशन के लिए छूट सीमा बढ़ाकर 25,000 रुपए कर दी गई। वित्तमंत्री कह चुकी हैं कि आयकर नियमों की छह महीने के भीतर व्यापक समीक्षा की जाएगी ताकि उन्हें संक्षिप्त, स्पष्ट और समझने में आसान बनाया जा सके। इसके अलावा, सरकारी कर्मचारियों के एकीकृत पेंशन योजना लागू की गई। 25 साल की सेवा वाले कर्मचारियों को पेंशन के रूप में उनके औसत मूल वेतन का 50त्न मिलेगा। वन रैंक, वन पेंशन योजना का तीसरा संस्करण सुरक्षा बलों और उनके परिवारों के लिए लागू किया जाएगा। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3 करोड़ घरों को मंजूरी दी गई। स्टार्ट-अप को वित्तीय राहत प्रदान करना और नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में भी सरकार ने कई अहम कदम उठाए। 2012 से स्टार्टअप पर बोझ बन रहे 31त्न एंजल टैक्स को समाप्त कर दिया गया है।

ईमानदारी की छवि का बचाव या सियासी चाल?

अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे का ऐलान बहुत से लोगों के लिए आश्चर्य की बात हो सकता है, लेकिन यह उनकी रणनीतिक सोच का एक हिस्सा है। इस कदम के पीछे उनका उद्देश्य राजनीतिक परिदृश्य में अपनी ईमानदारी की छवि को और मजबूत करना और दिल्ली की राजनीति में अपनी स्थिति को पुनः स्थापित करना है। दरअसल अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी ने अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से उभरकर राजनीति में प्रवेश किया था। इस आंदोलन ने उन्हें एक ईमानदार और भ्रष्टाचार विरोधी नेता के रूप में स्थापित किया।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में एक ऐसा कदम उठाया है जिसने राजनीतिक पंडितों को चौंका दिया है। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की घोषणा की है। यह निर्णय एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा प्रतीत होता है, जो न केवल उनकी राजनीतिक छवि को प्रभावित करेगा, बल्कि दिल्ली की राजनीति में भी नया मोड़ ला सकता है। दिल्ली आबकारी नीति मामले में केजरीवाल की जमानत मिलने के बाद, उन्होंने 15 सितंबर को आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि दो दिन बाद वह मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने जा रहे हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि वे तब तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठेंगे जब तक जनता उन्हें फिर से चुनकर नहीं भेजेगी। यह निर्णय, हालांकि बहुत से लोगों के लिए एक आश्चर्य की बात हो सकता है, लेकिन यह उनकी रणनीतिक सोच का एक हिस्सा है। इस कदम के पीछे उनका उद्देश्य राजनीतिक परिदृश्य में अपनी ईमानदारी की छवि को और मजबूत करना और दिल्ली की राजनीति में अपनी स्थिति को पुनः स्थापित करना है।

अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी ने अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से उभरकर राजनीति में प्रवेश किया था। इस आंदोलन ने उन्हें एक ईमानदार और भ्रष्टाचार विरोधी नेता के रूप में स्थापित किया। आम आदमी पार्टी ने स्वयं को ईमानदारी और पारदर्शिता का प्रतीक माना है। इस संदर्भ में, दिल्ली शराब नीति मामले को लेकर विपक्ष, खासकर बीजेपी, ने लगातार पार्टी और केजरीवाल की छवि पर सवाल उठाए हैं। बीजेपी ने बार-बार केजरीवाल के इस्तीफे की मांग की थी और आरोप लगाया था कि उनकी सरकार ने भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है।

हालांकि, केजरीवाल की जमानत के बाद अधिकांश गिरफ्तार किए गए नेताओं को भी जमानत मिल चुकी है, और आम आदमी पार्टी ने इस पर न केवल अपना पक्ष रखा है, बल्कि यह भी दिखाया है कि शराब नीति मामले में कई मुद्दे हैं। पार्टी इस तरह की स्थितियों को जनता के बीच यह संदेश देने के लिए उपयोग कर रही है कि यह मामला राजनीति से प्रेरित हो सकता है और नेताओं को गलत तरीके से फंसाने की कोशिश की जा रही है। इस दृष्टिकोण से, केजरीवाल का इस्तीफा एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है, जो उनकी पार्टी के नैरेटिव को मजबूत करने का प्रयास है।

केजरीवाल ने अपने इस्तीफे के फैसले के साथ यह भी कहा है कि उनके पास केवल उनकी ईमानदारी है, और उनके बैंक खाते खाली हैं। उन्होंने यह तर्क किया कि उनका उद्देश्य कभी भी पद और धन के लालच से प्रेरित नहीं रहा। इसके बजाय, उनका प्राथमिक उद्देश्य देश और समाज की सेवा करना है। उनके अनुसार, उनका यह निर्णय जनता के अदालत में अपनी ईमानदारी का परीक्षण कराने का एक तरीका है। वे जनता से यह पूछना चाहते हैं कि क्या वे उन्हें ईमानदार मानते हैं या गुनहगार।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए जमानत आदेश के तहत, केजरीवाल को कुछ शर्तों के साथ जमानत दी गई है। उनमें से एक यह है कि वह अपने दफ्तर या सचिवालय में नहीं जा सकते और केवल उन फाइलों पर साइन कर सकते हैं जिन्हें उपराज्यपाल के पास अनुमोदन के लिए भेजा जाना है। इस स्थिति में, केजरीवाल को दिल्ली में अपनी कार्यशैली और प्रशासनिक स्वतंत्रता को लेकर सीमित जगह मिल रही है। इसके चलते, उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया और विधानसभा भंग करने की सिफारिश की है ताकि जल्दी चुनाव कराए जा सकें।

केजरीवाल ने यह भी मांग की है कि दिल्ली में विधानसभा चुनाव फरवरी 2025 के बजाय नवंबर 2024 में कराए जाएं। उनका मानना है कि नवंबर में महाराष्ट्र और झारखंड के साथ चुनाव कराने से बीजेपी को इन राज्यों की सियासत में व्यस्त रहना पड़ेगा और दिल्ली विधानसभा चुनाव पर ध्यान नहीं दे पाएगी। इस रणनीति का उद्देश्य आम आदमी पार्टी को सियासी लाभ दिलाना है और बीजेपी को अपनी चुनावी योजनाओं पर फिर से विचार करने पर मजबूर करना है।

अरविंद केजरीवाल का इस्तीफा एक तरह से बीजेपी और कांग्रेस को भी हैरत में डालने वाला है। खासकर हरियाणा में विधानसभा चुनावों के समय केजरीवाल का इस्तीफा और उनका राजनीतिक संदेश यह दर्शाता है कि आम आदमी पार्टी किसी भी राजनीतिक स्थिति का फायदा उठाने के लिए तत्पर है। केजरीवाल के इस्तीफे के साथ-साथ मनीष सिसोदिया ने भी चुनाव तक किसी भी पद को ग्रहण नहीं करने का निर्णय लिया है, जो इस बात को प्रमाणित करता है कि पार्टी अपनी ईमानदारी की छवि को बनाए रखने के लिए गंभीर है।

इससे पहले लोकसभा चुनाव के दौरान, केजरीवाल ने भी कुछ प्रमुख राजनीतिक दांव खेले थे और बीजेपी के नेताओं को सफाई देने के लिए मजबूर किया था। अब, हरियाणा और अन्य राज्यों में चुनाव के साथ, केजरीवाल का यह कदम निश्चित रूप से राजनीतिक पिच पर नया मोड़ ला सकता है। उनके इस्तीफे के साथ, वे दिल्ली की राजनीति में एक नया नैरेटिव सेट करने के लिए तैयार हैं, जिससे यह साबित हो सके कि उनकी पार्टी और वे व्यक्तिगत रूप से ईमानदारी और सच्चाई के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

बता दें कि दिल्ली में वैसे तो चुनाव फरवरी 2025 तक होना प्रस्तावित हैं, लेकिन, रविवार को जब केजरीवाल ने अपने इस्तीफे का ऐलान किया तो यह भी जोड़ा कि वो चाहते हैं कि दिल्ली में विधानसभा चुनाव फरवरी की बजाय नवंबर में करवाए जाएं। इसी साल नवंबर में ही महाराष्ट्र और झारखंड में भी विधानसभा चुनाव होने की संभावना है।

केजरीवाल ने भले ही यह मांग कर दी कि दिल्ली का चुनाव नवंबर में महाराष्ट्र के साथ ही कराया जाए, लेकिन तुरंत चुनाव के मूड में केजरीवाल भी नहीं हैं क्योंकि उन्होंने सिर्फ सीएम पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया है, लेकिन न तो कैबिनेट भंग का प्रस्ताव आगे बढ़ाया है और न विधानसभा भंग करने जा रहे हैं। बल्कि नए चेहरे पर दांव लगा रहे हैं। हालांकि, केजरीवाल को जल्द चुनाव कराए जाने के संबंध में चुनाव आयोग को पत्र लिखकर मांग करनी होगी और इसका कारण भी बताना होगा। फिलहाल, दिल्ली की वोटर लिस्ट अपडेट होने का काम बाकी है। दो महीने के अंदर यह काम पूरा होने की संभावना नहीं है। ऐसे में संभव है कि आयोग फरवरी में तय समय पर ही चुनाव करा सकता है।

कानूनी जानकार कहते हैं कि नए सीएम के बनने से नए सिरे से कैबिनेट का गठन होगा। केजरीवाल इस्तीफा देते हैं तो एलजी की तरफ से मंजूरी दी जाएगी और उसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। उसके बाद राष्ट्रपति भी इस्तीफा मंजूर करेंगी। तब जाकर नया मुख्यमंत्री सरकार बनाने का अपना दावा पेश करेगा। इस पर भी अंतिम मुहर राष्ट्रपति की लगेगी। इस पूरी प्रक्रिया में वक्त लग सकता है।

राजनीतिक जानकार कहते हैं कि चूंकि केजरीवाल आम आदमी पार्टी के संयोजक (कर्ता-धर्ता) हैं। वे खुद को कट्टर ईमानदार होने का दावा करते आए हैं, लेकिन, पिछले कुछ महीनों से सरकार की साख पर सवाल उठे हैं। पहले आबकारी नीति में कथित घोटाला, उसके बाद सीएम आवास की साज-सज्जा पर करोड़ों रुपए खर्चे जाने पर विवाद हुआ। हाल ही में जल संकट और जल बोर्ड में स्कैम को लेकर विपक्ष घेरता आ रहा है। आप की दिल्ली और पंजाब में सरकार है और पड़ोसी राज्य हरियाणा में पहली बार सभी 90 सीटों पर पार्टी चुनाव लड़ रही है। केजरीवाल खुद हरियाणा के मूल निवासी हैं। ऐसे में उनके सामने भ्रष्टाचार का टैग हटाने की चुनौती तो है ही, साथ ही हरियाणा में भी पार्टी को उभारकर लाना है। केजरीवाल के इस्तीफा देने के फैसले को हरियाणा चुनाव और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर पार्टी को हुए नुकसान को रोकने की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा है।

मृत्युदंड का भी है इंतजार; न्याय तंत्र की प्रभावशीलतापर सवाल उठा रहे आंकड़े

हाल ही में जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2023 में मृत्युदंड पाने वाले कैदियों की संख्या बढ़कर 561 हो गई है, जो पिछले 19 वर्षों में सर्वाधिक है। इससे पहले, जेलों पर नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, 2004 में मृत्युदंड पाने वाले कैदियों की सबसे यादा संख्या 563 थी। हाल के वर्षों में यह वृद्धि कई कारणों से हो सकती है, जैसे, अपीलीय न्यायालयों द्वारा मामलों के निपटारे की कम दर और सुनवाई अदालतों द्वारा मृत्युदंड देने की बढ़ती प्रवृत्ति आदि। गौरतलब है कि दिल्ली स्थित राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय द्वारा प्रोजेक्ट 39-ए के तहत मृत्युदंड पर वार्षिक रिपोर्ट जारी की जाती है। इसमें उल्लेख है कि 2023 में मृत्युदंड के 120 आदेश दिए गए थे, हालांकि इसमें कमी आई है, क्योंकि 2016 में 156 ऐसे आदेश दिए गए थे।

वर्ष 2019 के बाद यौन अपराधों से जुड़े मामलों में ट्रायल कोर्ट ने सबसे यादा मौत की सजा के आदेश दिए हैं। वर्ष 2023 में दुष्कर्म और हत्या सहित यौन अपराधों के लिए 64 लोगों (लगभग 53 फीसदी) को मौत की सजा सुनाई गई। यह 2016 में मौत की सजा पाए 27 कैदियों से यादा है। 75 फीसदी मामलों में, अदालतों ने मौत की सजा तब सुनाई, जब मामला 12 साल से कम उम्र की पीड़िता के साथ दुष्कर्म और हत्या से जुड़ा था। पिछले साल भी 2020 के बाद से उच न्यायालयों में मौत की सजा की पुष्टि की सबसे कम निपटान दर देखी गई। महत्वपूर्ण बात यह है कि 2000 के बाद से अपीलीय अदालतों द्वारा मौत की सजा की पुष्टि की 2023 में सबसे कम दर दर्ज की गई। रिपोर्ट में कहा गया है, उचतम न्यायालय और उच न्यायालयों ने जांच प्रक्रिया के प्रभावी नहीं होने और लोगों को दोषी ठहरा कर मौत की सजा सुनाने के लिए ट्रायल कोर्ट द्वारा भरोसेमंद साक्ष्यों की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता पर गंभीर चिंता जताई है। रिपोर्ट में दिए गए ये आंकड़े मृत्युदंड के मामलों की ऐसी स्थिति बयान कर रहे हैं, जिसमें न्याय तंत्र की प्रभावशीलता और विश्वसनीयता पर प्रश्न चिह्न लग रहे हैं। यहां भारत में मृत्युदंड की सांविधानिक स्थिति पर विचार करना समीचीन होगा। भारतीय संविधान के अनुछेद 72 और अनुछेद 161 में क्रमश: राष्ट्रपति और रायपाल को मृत्युदंड को क्षमा करने की शक्ति दी गई है। ऐसा इसलिए है कि राष्ट्रपति जनता का सर्वोच निर्वाचित प्रतिनिधि है, अत: संप्रभु जनता में निहित ऐसी शक्ति का प्रयोग कर सकता है। दूसरी ओर, हरियाणा राय बनाम राजकुमार, 2021 मामले में उचतम न्यायालय के निर्णय से पहले रायपाल मृत्युदंड को क्षमा नहीं कर सकता था, लेकिन इस मामले में न्यायालय ने कहा कि चूंकि रायपाल राष्ट्रपति का प्रतिनिधि होने के साथ-साथ राय का सांविधानिक प्रधान भी है, अत: दोनों की शक्तियों में कोई विभेद नहीं किया जा सकता।

भारतीय दंड संहिता में धारा 302 के तहत मृत्युदंड का प्रावधान था। वर्तमान में प्रचलित भारतीय न्याय संहिता में भी कई अपराधों में मृत्युदंड का प्रावधान है। जैसे हत्या, 12 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं के साथ दुष्कर्मऔरहत्याआदि।उचतमन्यायालयने समय-समय पर मृत्युदंड की सांविधानिक वैधता के संबंध में निर्णय दिए हैं। भारत में मृत्युदंड को पहली चुनौती जगमोहन सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राय, 1972 मामले में दी गई थी। न्यायालय ने माना कि मृत्युदंड की सजा परिस्थितियों की विस्तृत जांच और गंभीर मूल्यांकन के बाद दी जाती है, इसलिए ऐसी प्रक्रिया मृत्युदंड के प्रावधान को उचित ठहराती है और भारतीय संविधान के अनुछेद 21 का उल्लंघन नहीं करती है। न्यायालय ने यह भी कहा कि यह दंड कई न्यायिक सिद्धांतों पर आधारित है। राजेंद्र प्रसाद बनाम उत्तर प्रदेश राय, 1979 मामले में न्यायालय ने प्रतिशोधात्मक सिद्धांत से अलग हटकर सामाजिक लक्ष्यों के रूप में निवारण और सुधारात्मक सिद्धांत पर जोर दिया। इसके अलावा, न्यायालय ने माना कि मृत्युदंड के आदेश के लिए आवश्यक विशेष कारण अपराध से संबंधित नहीं होने चाहिए, बल्कि अपराधी पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

वर्ष 1980 में बचन सिंह बनाम पंजाब राय में मृत्युदंड की सांविधानिक वैधता को फिर से चुनौती दी गई। इस मामले में सबसे पहले, आजीवन कारावास और मृत्युदंड के बीच विकल्प वाले अपराधों के लिए आजीवन कारावास देने के नियम के संबंध में मृत्युदंड को अपवाद बना दिया गया था। दूसरे, राजेंद्र प्रसाद बनाम उत्तर प्रदेश राय, 1979 के सिद्धांत ने उस आधार की व्याख्या की थी, जिसके आधार पर मृत्युदंड अपराधी की परिस्थिति से संबंधित होना चाहिए, न कि अपराध से। तीसरे, इसने मेनका गांधी बनाम भारत संघ, 1978 के आलोक में मृत्युदंड की समीक्षा की,

सुलझाने के बजाय उलझा रही तकनीक गायब हो रही मानवीय संवेदनाएं और भाव

आज के डिजिटल युग में तकनीक ने हमारी रोजमर्रा की जिंदगी को पूरी तरह बदल दिया है। इंटरनेट, एप और एआई जैसी तकनीकों ने न केवल हमारे कामकाज को अधिक सुविधाजनक और तेज बना दिया है, बल्कि संवाद के तरीकों?को भी बदल दिया है। एक ओर तकनीक संचार को त्वरित और सुलभ बना रही है, तो दूसरी ओर इसका प्रभाव मानवीयता पर भी पड़ा है। संचार में मानवीय भावनाएं, आवाज की गर्माहट और चेहरों के भाव धीरे-धीरे गायब होते जा रहे हैं, जो समस्याओं को सुलझाने के बजाय और बिगाड़ रहे हैं।सोशल नेटवर्किंग साइट्स हों या ऑनलाइन कंपनियां, ये हमारे जीवन का आज अहम हिस्सा बन गई हैं। चाहे अमेजन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से सामान मंगाना हो या ऊबर, ओला जैसी कैब सर्विस से कहीं जाना। इन एप आधारित कंपनियों ने हमारे रोजाना के कामों को सरल और सुविधाजनक बना दिया है। मगर इसका एक और पहलू भी है, इन तकनीकों और ऑनलाइन सेवाओं के फायदे के साथ कुछ चुनौतियां और समस्याएं भी जुड़ी हुई हैं। इन प्लेटफॉर्म पर हमारे पास सीधे और व्यक्तिगत संपर्क की कमी होती है, जिससे हमारी समस्याओं का समाधान मुश्किल हो जाता है।

फेसबुक ने भारत में 32 करोड़ उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा पार कर लिया है, लेकिन उपयोगकर्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए केवल हेल्प, सपोर्ट और रिपोर्ट जैसी सुविधाएं प्रदान करता है, जो कि एक पूर्वनिर्धारित एकतरफा तंत्र के अलावा कुछ भी नहीं है। यह स्थिति दर्शाती है कि कैसे तकनीकी सुविधाएं हमारे समस्या समाधान की प्रक्रिया को जटिल बना सकती हैं और मानवीय संबंधों को एक तंत्र में बदल सकती हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप अमेजन या फ्लिपकार्ट से कोई उत्पाद खरीदते हैं और वह खराब निकलता है, तो आपको अक्सर?चैटबॉट से ही मदद मिलती है। वास्तविक उपभोक्ता सेवा प्रतिनिधि से संपर्क करने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। अगर फूड डिलीवरी एप पर आपके ऑर्डर में खराब या गलत भोजन आता है, तो आपको स्वचालित सपोर्ट और लंबे इंतजार का सामना करना पड़ता है। सीसीडब्ल्यू डिजिटल और कस्टमर मैनेजमेंट सर्विस के अध्ययन में बताया गया है कि 55 फीसदी उपभोक्ताओं का अनुभव चैट-बेस्ड सपोर्ट में बदतर रहा है यानी स्वचालित सहायता तंत्र अक्सर मानवीय समाधान की कमी को पूरा नहीं करता।

तकनीक ने ग्राहक सेवा के क्षेत्र में एक बुनियादी परिवर्तन ला दिया है। ग्लोबल स्ट्रैटजिक बिज रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 तक विश्व भर का कॉल सेंटर बाजार 332 अरब डॉलर का था, जिसमें भारत की हिस्सेदारी करीब दस प्रतिशत है। नैसकॉम के मुताबिक, भारत में पांच करोड़ लोग इन बीपीओ और कॉल सेंटरों से रोजगार प्राप्त करते हैं। बड़ी कंपनियों ने ग्राहक सेवा में वेटिंग टाइम को कम करने के लिए लाइव चैट का विकल्प दिया, जिसमें ग्राहकों को अपनी समस्याएं लिख कर देने के लिए प्रेरित किया जाने लगा। और धीरे-धीरे मौखिक संचार को कम कर कंपनियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता चैटबॉट्स को तरजीह देनी शुरू कर दी, इससे कंपनियों का ग्राहक सेवा पर खर्च कम हुआ है। इस?वजह से?कंपनियों ने कॉल सेंटर प्रतिनिधियों की संख्या घटाना शुरू कर दिया है। विशेषज्ञ मानते हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते प्रभाव से कॉल सेंटरों का अस्तित्व खतरे में है। कैंपेन एशिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मई 2023 में इंडियन एयरलाइंस के चैटबॉट %महाराजा% ने 93 प्रतिशत ग्राहकों?के?सवालों का समाधान बिना कॉल सेंटर प्रतिनिधि के पास भेजे किया है।

कंपनियों की लागत कम करने के लिए यह आसान तरीका है, ताकि लोगों की कॉल सेंटरों पर निर्भरता कम की जा सके। मगर कई एप कॉल हेल्पलाइन की लिंक तक पहुंचने की प्रक्रिया को इतना जटिल बना देते हैं कि ग्राहकों को मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है। न्यू वॉइस मीडिया द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, खराब ग्राहक सेवा के कारण हर साल करीब 75 अरब डॉलर के व्यापार की हानि होती है। जिनमें कॉल सेंटरों और खराब सहायता तंत्र भी एक अहम कारण होते हैं।

तकनीक के अंधाधुंध प्रयोग से मानवीय संवाद का स्थान एक निर्जीव तंत्र ने ले लिया है, जहां अब समस्याओं का समाधान मशीनों और बिना मौखिक संवाद के?द्वारा किया जाता है। वहीं यह सिर्फ व्यापार और ग्राहक सेवा तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर हमारे व्यक्तिगत और सामाजिक संबंधों पर भी पड़ रहा है। तकनीक जब हमारे संचार के हर पहलू को नियंत्रित करती है, तो हम अपनी मानवीय संवेदनाओं से दूर होते जाते हैं। अंत में हमें इस बात पर विचार करना होगा कि तकनीक हमारे जीवन को जितना आसान बना रही है, उतना ही हमें मानवीय मूल्यों से दूर कर रही है। यह एक महत्वपूर्ण समय है, जब हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि तकनीक हमें उलझाने के बजाय हमारे जीवन को सुगम बनाए।

सोशल नेटवर्किंग साइट्स हों या ऑनलाइन कंपनियां, ये हमारे जीवन का आज अहम हिस्सा बन गई हैं। चाहे अमेजन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से सामान मंगाना हो या ऊबर, ओला जैसी कैब सर्विस से कहीं जाना। इन एप आधारित कंपनियों ने हमारे रोजाना के कामों को सरल और सुविधाजनक बना दिया है। मगर इसका एक और पहलू भी है, इन तकनीकों और ऑनलाइन सेवाओं के फायदे के साथ कुछ चुनौतियां और समस्याएं भी जुड़ी हुई हैं। इन प्लेटफॉर्म पर हमारे पास सीधे और व्यक्तिगत संपर्क की कमी होती है, जिससे हमारी समस्याओं का समाधान मुश्किल हो जाता है। फेसबुक ने भारत में 32 करोड़ उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा पार कर लिया है, लेकिन उपयोगकर्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए केवल हेल्प, सपोर्ट और रिपोर्ट जैसी सुविधाएं प्रदान करता है, जो कि एक पूर्वनिर्धारित एकतरफा तंत्र के अलावा कुछ भी नहीं है। यह स्थिति दर्शाती है कि कैसे तकनीकी सुविधाएं हमारे समस्या समाधान की प्रक्रिया को जटिल बना सकती हैं और मानवीय संबंधों को एक तंत्र में बदल सकती हैं। उदाहरण के लिए, यदि आप अमेजन या फ्लिपकार्ट से कोई उत्पाद खरीदते हैं और वह खराब निकलता है, तो आपको अक्सर?चैटबॉट से ही मदद मिलती है। वास्तविक उपभोक्ता सेवा प्रतिनिधि से संपर्क करने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। अगर फूड डिलीवरी एप पर आपके ऑर्डर में खराब या गलत भोजन आता है,

पंचायत राज का निकला दम

मनमानी तरीके से सचिव की नियुक्ति..

उमेश कुशवाहा | सिटी चीफ
सतना, मध्यप्रदेश में पंचायती राज व्यवस्था भगवान भरोसे चलने के लिए मजबूर हो गयी है। यहां पर नियम कायदे कानून कोई अहमियत नहीं रखते हैं। कुछ ऐसे ही हालात जिले की नीमीव्रत ग्राम पंचायत के बने हुए हैं। कलेक्टर सहित अन्य दिग्गज अधिकारियों की तैनाती के बाद भी इस ग्राम पंचायत में फर्जी दस्तावेज के सहारे मास्टरमाइंड ने सचिव पद पर नियुक्ति हासिल कर ली है। सोशल और प्रिंट मीडिया में पंचायत का कारनामा उजागर होने के बाद भी अब तक कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ द्वारा किसी तरह का संज्ञान नहीं लिया गया है। बताया जाता है कि संबंधित ग्राम पंचायत में जिस व्यक्ति ने फर्जी दस्तावेज के सहारे सचिव की जिम्मेदारी हासिल कर रखी है उसे कुछ समय पहले सतना जिले की ग्राम पंचायत फुटौंधी से चलता किया गया था। फर्जी नियुक्ति के सहारे काबिज सचिव भ्रष्टाचार की गंगा बहाने में तन-मन से लगा हुआ है। अब देखना यह है कि सतना जिला प्रशासन आखिर कब तक घपलेबाज सचिव के मामले में संज्ञान लेते हैं.

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर्व पर मुस्लिम समाज ने निकाला पैगम्बर साहब के जन्मदिन पर भव्य जुलूस

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, देश भर में मुश्लिम समाज आज जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर्व के अवसर पर बड़े भव्यता के साथ जुलूस निकाला गया जो शहर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ अंजुमन स्कूल ग्राउंड पहुँचा। जुलूस में बड़े शान शौकत के साथ सरकार की आमद मरहबा के नारे लगाते हुए बेंड पार्टी के साथ आतिशबाजी और झमते गाते बच्चे,नोजवान,बूढ़े सभी खुशियों के साथ चलते हुए नजर आए अंजुमन स्कूल ग्राउंड में मंचीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अंजुमन स्कूल के छात्रों द्वारा नातिया कलाम पढ़े गए। अंजुमन ट्रस्ट कमेटी सदर हाजी केश अहमद लिप्पु भाई ने आज के दिन इश्लाम के पैगम्बर साहब के जन्मदिन पर सबको मुबारकबाद दिया और नगर निगम व पुलिस प्रशासन द्वारा किये गए तमाम व्यवस्थाओं के लिए उनका आभार जताया। अंजुमन स्कूल के सदर ने ईद मिलादुन्नबी पर्व बड़े शान शौकत के साथ और शांति से सम्पन्न हुआ उसी तरह आगामी कल भगवान गणेश के विसर्जन के अवसर पर सभी समुदाय के लोग इसी तरह मिल जुलकर शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न कराये इस बात की अपील किया।

अनुपपुर कोतमा वार्ड न 02 ने जोर जोर से गई गया गणपति विसर्जन

सुशील सोनी | सिटी चीफ | कोतमा, अनुपपुर कोतमा नगर के वार्ड नंबर 02में 10दिनों तक गणपति पूजन उत्सव मनाने के बाद आज गणपति जी का गणपति बप्पा मोरया जयकारों के साथ विसर्जन किया गया , 10दिनों तक गणेश उत्सव समिति वार्ड नंबर 2 कोतमा के सदस्य शुभम सोनी कान्हा सोनी छोटू सोनी हिमांशु जायसवाल एवम वार्ड नंबर 2के सभी व्यापारी जन उपस्तित रहे और गणपति जी का विसर्जन पूजन किया गया गणेश उत्सव समिति द्वारा प्रसाद वितरण भंडारे का भी आयोजन किया गया जिसमे सभी व्यापारी जन ने सम्पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ने सहारनपुर में ब्राह्मण इतिहास एवं गोत्रावली पत्रिका के स्वतंत्रता सेनानी विशेषांक का किया विमोचन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने सहारनपुर स्थित भारतीय ब्राह्मण महासंघ भारत सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित ब्राह्मण इतिहास एवं गोत्रावली पत्रिका के स्वतंत्रता सेनानी विशेषांक के प्रकाशित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया। इस अवसर पर उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने पत्रिका का विमोचन किया और विशिष्ट नागरिकों को सम्मान प्रदान किया। सहारनपुर पहुंचने पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण का पंडित अतुल पाराशर, मुकेश दीक्षित, राजकुमार सैनी, विधायक राजीव गुंबर, वरिष्ठ भाजपा नेता राहुल लखनपाल शर्मा, युवा ब्राह्मण नेता रोहित कौशिक, भारत कर्णवाल, अशोक चौधरी, पंडित शिवेंद्र शर्मा, अमित मंगला, अरुण बख्शी आदि के नेतृत्व में स्थानीय कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। समारोह के दौरान उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान और उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह विशेषांक न केवल ब्राह्मण समुदाय की ऐतिहासिक उपलब्धियों को उजागर करता है, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम के नायकों को सम्मानित करने का एक सराहनीय प्रयास भी है। डॉ हर्षवर्धन द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन विधानसभा अध्यक्ष उत्तराखंड ऋतु खंडूडी भूषण के कर कमलों से सम्पन्न हुआ, जो इस आयोजन की गरिमा को और बढ़ा गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में समाज के विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों, स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों और विद्वानों ने भी भाग लिया और समारोह की सराहना की। इस पत्रिका में स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनी, उनके संघर्ष और उनकी असीमित प्रेरणा को समेटते हुए प्रकाशित किया गया है, जो भविष्य की पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। सहभागिता और सम्मान समारोह के लिए विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण ने भारतीय ब्राह्मण महासंघ भारत सामाजिक संस्था की सराहना की और इस प्रकार के आयोजन को समाज में सकारात्मक बदलाव और ऐतिहासिक जागरूकता का एक महत्वपूर्ण कदम बताया। इस अवसर पर मेयर डॉक्टर अजय कुमार सिंह, सदर विधायक राजीव कुमार, पूर्व विधायक सुरेंद्र कपिल, पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा के भ्राता राहुल लखनपाल शर्मा, पंडित अतुल पाराशर, मुकेश दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

रामजीटोला में आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता का हुआ समापन

कटंगझरी प्रथम तो पांडेवाड़ा टीम बनी उपविजेता

लाकेश पंचेश्वर | सिटी चीफ
लालबर्रा, मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पांढरवानी अंतर्गत भगवान श्री बालाजी की नगरी रामजीटोला में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी श्री शिवशक्ति गणेश उत्सव समिति के तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का समापन रविवार को ग्राम सरपंच अनीस खान के मुख्य आतिथ्य,समिति अध्यक्ष जनपद सदस्य दीपक कावरे के अध्यक्षता एवं डॉ.रामप्रसाद माने, नीतिन साखला,भूनेन्द्र 'अप्पू' कुमरे,कृष्णकुमार लहरे,युवराज यादव,कुवर माने,महेश माने, तिलक मात्रे,रंजन राजुरकर, विनोद पंचेश्वर,सेवक माने,चमन पंचेश्वर के विशेष आतिथ्य में किया गया। इस प्रतियोगिता में लगभग 40 कबड्डी टीमों ने शामिल होकर अपना जौहर दिखाया। प्रतियोगिता में विजेता कटंगझरी को प्रथम पुरस्कार 7001 रूपये, पांडेवाड़ा को द्वितीय पुरस्कार 5001 रुपये व महा मांडव क्लब राजोबाटोला तृतीय पुरस्कार 3001 रूपये अतिथियों के हस्ते प्रदान किया गया। चर्चा में समिति अध्यक्ष व जनपद सदस्य दीपक कावरे ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रो की खेल प्रतिभावो को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समिति द्वारा गणेशोत्सव के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित करवाई जाती है,जिसमें कम से कम प्रवेश शुल्क निर्धारित की जाती है,ताकि कोई भी टीम आसानी से प्रवेश शुल्क जमा कर सके आगामी समय इसे भव्य रूप से आयोजित करवाने का प्रयास किया जायेगा।

बारिश से कम हुआ वायु प्रदूषण

सहारनपुर का एक्यूआई पहले 150 अब गिरकर हुआ 30

गौरव सिंघल | सिटी चीफ | सहारनपुर, तीन दिन हुई बूंदाबादी और हल्की हवा के कारण जनपद की हवा पूरी तरह साफ हो गई है। जो एक्यूआई सामान्य दिनों में 130 से 150 तक रहता है। वह इन दिनों में 30 तक आ गया है। यानि हवा प्रदूषण से मुक्त हो गई है। सहारनपुर औद्योगिक जनपद नहीं है। सहारनपुर का एक्यूआई 30 पर आ गया है। एक्यूआई में गिरावट की मुख्य वजह तीन दिन से लगातार हुई बूंदाबांदी है। हालांकि पूरे देश में ही इस समय वायु प्रदूषण नाम मात्र का है। पर्यावरणविद डा.उमर सैफ का कहना है कि बरसात के दिनों में वायु प्रदूषण कम होना सामान्य बात है, लेकिन देशभर में प्रदूषण में कमी आना खुशी की बात है। उन्होंने बताया कि तीन दिन बूंदाबांदी सहारनपुर और उसके आसपास के जनपदों तक हुई, जिसकी वजह से हवा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है।

आवारा पशु की टक्कर से पीआरडी जवान की हुई मौत..परिजनों में मचा कोहराम

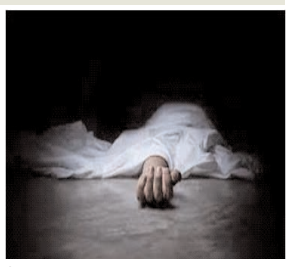

गौरव सिंघल | सिटी चीफ |
सहारनपुर, आवारा पशु की टक्कर से बाइक सवार पीआरडी के जवान की मौत हो गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पीआरडी जवान की मौत से उसके परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना नानौता के गांव कचराई के पास उक्त हादसा हुआ है। बताया जा रहा है कि ललित कुमार पुत्र प्रीतम सिंह निवासी राजपुर लतीफपुर थाना गंगोह पीआरडी में जवान था। उसकी ड्यूटी बड़गांव थाने में चल रही थी। वह ड्यूटी पर जा रहे थे कि रास्ते में एक आवारा पशु ने टक्कर मार दी। टक्कर में आवारा पशु का सींग जवान के शरीर में घुस गया। जिससे जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल जवान को सीएससी नानौता पर लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद पुलिस ने मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ई-कॉमर्स कंपनियों और बैंकों की अनैतिक सांठगांठ का कैट द्वारा आरोप लगाया गया

उमेश कुशवाहा | सिटी चीफ | सतना, आज भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर श्री शक्तिकांत दास को भेजे गए एक महत्वपूर्ण पत्र में, चांदनी चौक से भाजपा सांसद और कनफ़ेडरेशन ऑफ़ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री एमेरिटस श्री प्रवीन खंडेलवाल ने अमेज़न और फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स कंपनियों के साथ बैंकों की मिलीभगत पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह मिलीभगत पारंपरिक खुदरा व्यापारियों के लिए अस्वस्थ और असमान प्रतिस्पर्धा का माहौल बना रही है। श्री खंडेलवाल ने आरबीआई गवर्नर को भेजे अपने पत्र में बैंकों, ई-कॉमर्स कंपनियों और ब्रांड मालिकों के बीच अनैतिक सांठगांठ का आरोप लगाया, जिससे खुदरा व्यापार बुरी तरह विकृत हो रहा है। इस मिलीभगत से देश के पारंपरिक खुदरा व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। श्री खंडेलवाल ने बताया कि एचडीएफसी, एसबीआई और अन्य बैंकिंग संस्थानों द्वारा विशेष छूट योजनाओं और बैंक कैशबैक ऑफर्स के माध्यम से आक्रामक छूट दी जा रही है, जो फ्लिपकार्ट और अमेज़न जैसे प्लेटफॉर्म्स पर 10व तक की छूट प्रदान कर रहे हैं, जिससे पारंपरिक व्यापारियों को और अधिक नुकसान हो रहा है। इसके अलावा, आईसीआईसीआई, एक्सिस बैंक, वन कार्ड और कोटक महिंद्रा जैसे अन्य बैंकों ने भी इसी तरह की साझेदारियाँ की हैं, जो छूट, कैशबैक और अतिरिक्त लाभ प्रदान कर रही हैं। यह गंभीर चिंता का विषय है कि क्या ये व्यापारिक प्रथाएँ निष्पक्ष हैं। चाहे जानबूझकर या अनजाने में, ये बैंक एक कार्टेल का हिस्सा बन गए हैं जो एक अस्वस्थ और असमान बाजार बना रहा है, जो प्रतिस्पर्धा के लिए गंभीर चुनौतियाँ उत्पन्न कर रहा है और व्यापार के मौलिक अधिकारों के खिलाफ है। इस संदर्भ में, श्री खंडेलवाल ने हाल की सीसीआई रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें यह खुलासा हुआ है कि ये प्लेटफॉर्म स्मार्टफोन मूल उपकरण निर्माता (ह्श्वरू) जैसे सैमसंग, शाओमी, रियलमी, मोटोरोला, वीवो और वनप्लस के साथ मिलकर राष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं। बैंकों के क्रेडिट कार्ड के ऑफर्स को ई-कॉमर्स कंपनियों एवं मैन बाजार (खुदरा) व्यावसायिक के ऑफर्स में भिन्नताएं क्यों मैन लाइन (खुदरा) बाजार का व्यापार खतरे में (जैन) कैट राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र जैन ने कहा कि इन कार्यों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विज़न के खिलाफ काम किया है। रिपोर्ट से यह स्पष्ट हुआ है कि ये कंपनियाँ विशेष आपूर्ति समझौतों और गहरी छूट प्रथाओं में शामिल हैं, जिससे मैन लाइन (खुदरा) व्यापारियों, जो रोजगार सृजन, कर योगदान और उपभोक्ताओं को प्रतिस्पर्धी सेवाएँ और ऑफ़र प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, को गंभीर नुकसान पहुँच रहा है। श्री जैन ने आगे कहा कि यह चौंकाने वाला है कि लगभग 1.5 लाख मोबाइल खुदरा व्यापारी इन अनुचित प्रथाओं के कारण संघर्ष कर रहे हैं, जिनमें से 50,000 से अधिक छोटे व्यापार पहले ही बंद हो चुके हैं। कई छोटे व्यापारी ग्रे मार्केट स्टॉक्स पर निर्भर हो गए हैं क्योंकि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म और ह्श्वरू समर्थित एग्रीगेटरों के बीच की सांठगांठ से घरेलू अर्थव्यवस्था को गंभीर नुकसान हो रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, श्री खंडेलवाल ने आरबीआई गवर्नर से तुरंत बैंकों को निर्देश देने का आग्रह किया है कि वे पारंपरिक खुदरा व्यापारियों को दी जा रही छूट और कैशबैक लाभ बंद करें। इन साझेदारियों और उनके साथ जुड़े खरीदारी के पैटर्न की जाँच शुरू करें। यह देखना महत्वपूर्ण है कि पिछले पाँच वर्षों में इतने अधिक उपभोक्ता बैंक कार्ड का उपयोग करके सैकड़ों मोबाइल फोन कैसे खरीद पाए हैं, जो अनुचित प्रथाओं की ओर इशारा कर सकता है। श्री खंडेलवाल ने कहा कि खुदरा व्यापारियों और हमारे बैंकिंग क्षेत्र की वित्तीय अखंडता की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस सांठगांठ को तोड़ना हमारी अर्थव्यवस्था की सुरक्षा के लिए आवश्यक है।इस संबंध में खंडेलवाल ने रिज़र्व बैंक गवर्नर के अलावा वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीथारमन तथा वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल से मिलने का समय माँगा है।

पंवार और उपाध्याय हिन्दी काव्य रत्न की मानद उपाधि से सम्मानित

उज्जैन

शासकीय माध्यमिक विद्यालय बरथुन के माध्यमिक शिक्षक और साहित्यकार श्री सत्यनारायण उपाध्याय बना और शासकीय माध्यमिक विद्यालय सरवना के अतिथि शिक्षक श्री भूपेंद्र सिंह पंवार राजा को शब्द प्रतिभा बहुक्षेत्रीय सम्मान फाउन्डेशन (लुंबिनी नेपाल)द्वारा आयोजित हिन्दी दिवस अंतरराष्ट्रीय कविता प्रतियोगिता मे विभिन्न देशो के कवियो ने सहभागिता की जिसमे

हिन्दी काव्य रत्न की मानद उपाधि सम्मान से सम्मानित होने पर प्रधानाध्यापक श्री छगनलाल खेर, शिवेंद्र वर्मा, जगदीश उपाध्याय, ओमप्रकाश शर्मा, बापू चौधरी, श्री शत्रुघ्न सिंह सिसौदिया, श्री अवधकिशोर बामता, श्री रमेशचंद्र परमार, श्रीरूप सिंह सोलंकी,श्री योगेंद्र सिंह चावडा, विजयबहादुर सिंह चौहान, राजेंद्र रावल, खूबचंद लोहार, संदीप श्रीवास्तव, राजाराम सोलंकी, राजपाल सिंह गौड, नारायणसिंह चंद्रावत, नरेंद्र सिंह पंवार, सत्येंद्र सिंह चौहान आदि ने बधाई दी, हर्ष व्यक्त किया और श्री उपाध्याय और श्री पंवार के उज्जवल भविष्य की कामना की !

गणेश उत्सव में नगर में सकल हिंदू समाज संगठन के द्वारा विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया

खरगोन

कसरावद - नागदा की आई कवियत्री पूजा भारती ने सरस्वती वंदना की,सम्मान बिक रहे हैं सामान की तरह। विद्वान सभी मौन हैं अंजान की तरह इंसानियत सिखाने अब वह निकल पड़े,दो दिन न जी सके जो इंसान की तरह कविता पढ़ी, शाजापुर से सुरेश बम ने श्रोताओं को हंसा हंसा कर लोटपोट कर दिया, मुंबई से आए कवि मुकेश मासूम ने चुनाव में कितना हर आओगे मोदी और एड से कितना डराओगे मोदी हास्य व्यंग्य की पैरोडी पढ़कर श्रोताओं को गुदगुदाया, इंदौर से आए हास्य कवि कमलेश दवे ने बेटीबेटी के बिना नया घर भी पुराना लगता है।हर अपना भी उसके बिना बेगाना लगता है।किसी भी चीज की कमी महसूस नहीं होती,बेटी घर में होती तो घर खजाना लगता है।पंक्तियों पड़कर सबको संजीदा कर दिया, वही कसरावद के युवा

ओजस्वी कवि ने कौमी एकता की पंक्तियां, हिंदुओं को जगाने वाली बात कही गौतम ने कहा कर सेवक भगवा तन पर लपेट नहीं आएंगे बिखरे हुए हिंदुओं को समेटे नहीं आएंगे राम राज्य मिला है तो संभाल कर रखना इसको अवध को जगाने अब राम जी के बेटे नहीं आएंगे, तू मेरे दिल पर अल्लाह लिख दे मैं तेरे दिल भगवान लिखूं तू धर्म से सच्चा है तो मैं भी अपना ईमान लिखूं बड़ी जरूरत रण में तो खूनी स्याही से लिखेंगे तू भारत मां की जय कहना में जय जय हिंदुस्तान लिखो पढ़कर कविता प्रेमियों में जोश भर दिया, कार्यक्रम के सूत्रधार कवि महेश अनगढ़ ने पत्नी पर निमाड़ी हास्य कविता प्रस्तुत कर सबको खूब हंसाया, कार्यक्रम का संचालन लाफ्टर किंग डाक्टर शैलेंद्र चौकडे सनावद ने किया।

शाजापुर रविवार को मंगल गणेश उत्सव समिति (सुगन्धि गली) के तत्वावधान में महाआरती का भव्य आयोजन हुआ , महाआरती आयोजन के दौरान मुख्य रूप से श्री राम सेना के पदाधिकारि शामिल रहे !!

पन्ना ग्राम पंचायत जरगवां जं शाहनगर जिला - पन्ना में नाली निर्माण कार्य में एक भी लोहे का प्रयोग नही किया गया है, न किसी प्रकार की कोई सारिया का प्रयोग किया गया है।

कलेक्टर ने स्वच्छता ही सेवा अभियान कार्यक्रम स्थल और जन औषधि केंद्र के शुभारंभ कार्यक्रम स्थल की तैयारियों का लिया जायजा

सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

सीहोर कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने बाल विहार ग्राउंड पहुचकर 17 सितंबर को आयोजित होने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान के शुभारंभ कार्यक्रम की व्यवस्थाओं एवं तैयरियों का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभागों द्वारा अपने विभाग की योजनाओं के स्टॉल व्यवस्थित ढ़ंग से लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में लगने वाले स्वास्थ्य परीक्षण केंद्र में सभी स्वच्छता मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए। इसके लिए चिकित्सक उपस्थित रहें और स्वच्छता मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण करें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग शासन की योजनाओं से अधिक से अधिक पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर पार्किंग, पेयजल एवं बैठने की व्यवस्थाएं आज ही दुरूस्त कर ली जाएं। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री नितिन टाले, एसडीएम श्री तन्मय वर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जन औषधि केंद्र का किया निरीक्षण कलेक्टर श्री सिंह ने जनऔषधि केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि 17 सितंबर को आयोजित होने वाले जनऔषधि केंद्र के लोकार्पण कार्यक्रम के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली जाएं। उल्लेखनीय है कि स्वच्छता ही सेवा अभियान के शुभारंभ अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम जिला मुख्यालय स्थित बाल विहार ग्राउंड में प्रात: 11:00 बजे आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर एवं सांसद श्री आलोक शर्मा शामिल होंगे। कार्यक्रम में स्वच्छता सेवकों का सम्मान किया जाएगा। इसके साथ ही उड़ीसा के भुवनेश्वर मैं आयोजित प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रधानमंत्री आवास के हितग्राहियों के खाते में राशि अंतरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी आयोजित कार्यक्रम में देश के जन औषधि केंद्रों का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय सीहोर में भी जन औषधि केंद्र का शुभारंभ होगा इस अवसर पर जिला चिकित्सालय सीहोर में कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री एवं अन्य जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।

कलेक्टर ने किया विसर्जन कुण्डों का निरीक्षण

मंडला

कलेक्टर सोमेश मिश्रा एसपी रजत सकलेचा ने गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए नावघाट एवं संगमघाट महाराजपुर में बने विसर्जन कुंड का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देशित किया कि विसर्जन कुण्डों में प्रतिमाओं का विसर्जन प्रशिक्षित तैराकों के माध्यम से ही कराएं। उन्होंने कहा कि प्रतिमाओं का विसर्जन सुरक्षित तरीके से कराएं। लोगों को विसर्जन कुंड तक ना जाने दिया जाए। किसी भी प्रतिमा का विसर्जन नदी में ना किया जाए। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने विसर्जन स्थल पर समुचित लाईट तथा सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पूजन केन्द्र कुण्ड से दूर बनाया जाए तथा पूजन सामग्री को एकत्रित करने के लिए पृथक से व्यवस्था रखी जाए। प्रतिमाओं का विसर्जन क्रेन के द्वारा किया जाए। प्रतिमाओं का विसर्जन प्रशिक्षित स्टॉफ के माध्यम से ही कराया जाए। अन्य व्यक्तियों को बेरीकेट से अंदर न आने दें। उन्होंने विसर्जन स्थलों पर प्रशिक्षित गोताखोरों को तैनात करने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंडला एसडीएम सोनल सिडाम, नगरपालिका सीएमओ गजानंद नाफड़े, तहसीलदार अजय श्रीवास्तव, नायब तहसीलदार हिमांशु भलावी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कल 17 सितम्बर से शुरू होगा स्वछता पखवाड़ा

मानस भवन में होगा जिला स्तरीय शुभारंभ कार्यक्रम

17 से 2 अक्टूबर तक स्वछता पखवाड़े में होंगी कई गतिविधियां

शिवपुरी कार्यक्रम में स्कूल कॉलेज में स्वछता थीम पर आधारित प्रतियोगिताएं, ग्रामीण और नगरीय निकायों में अपशिष्ट संग्रहण, अपशिष्ट प्रबंधन पर ध्यान दिया जाएगा। श्रमदान और जनभागीदारी से चिन्हित स्थलों की साफ सफाई पर जोर रहेगा। सफाई कर्मी और सफाई मित्रों का सम्मान और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन होगा।

17 सितंबर से 1 अक्टूबर तक स्वभाव स्वछता संस्कार स्वछता की थीम के साथ 2 अक्टूबर को स्वछ भारत दिवस समारोह आयोजित होगा

उमरिया उमरिया 16 सितंबर।17 सितंबर से 1 अक्टूबर तक स्वभाव स्वछता संस्कार स्वछता की थीम के साथ 2 अक्टूबर को स्वछ भारत दिवस समारोह आयोजित होगा। एस एच एस 2024 गतिविधि कैलेण्डर तैयार करते हुए स्वछता अभियान की गतिविधियों को किया जाना है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि दिये गये कलैण्डर अनुसार सौपे गये कार्यक्रम गतिविधियों का आयोजन जिले/जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर पर अपने विभागीय कर्मचारियों के माध्यम से कराते हुए किये गये कार्यक्रम गतिविधियों का प्रचार-प्रसार, मास मीडिया, प्रिंट मीडिया एवं सोशल मीडिया के माध्यमों से प्रसारित करे एवं जो भी अभियान गतिविधियां कराई जा रही है उसकी फोटो-वीडियों 9174372677 इस नम्बर पर शेयर करे। 17 सितंबर को राष्ट्रीय, राय, जिला, जनपद पंचायत में स्वछता ही सेवा कार्यक्रम का शुभारंभ, विशेष श्रमदान दिवस, स्वछता शपथ, सहयोगियों का सम्मान, स्वछता संवाद, 18 सितंबर को स्वछता रैली, सायकिल रैली, वाहन रैली, 17 सितंबर से 30 सितंबर तक संपूर्ण स्वछता इकाई हेतु एन जी ओ सी एस आदि द्वारा इन स्थलों को गोद लेने हेतु प्रेरित करने, स्थल को ब्लैक स्पॉट रहित बनाकर उनके आसपास एवं सौदर्यीकरण का कार्य, 1 अक्तूबर को इन स्थलों को स्वछ घोषित करना, विद्यालय एवं महाविद्यालय में , ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस, ग्राम जल एवं स्वछता समिति की बैठक में शौचालय उपयोग एवं अपशिष्ट प्रबंधन विषय पर संवाद कार्य शाला, 20 सितंबर को स्त्रोत पर कचरा पृथकीकरण पर डेमो तथा सभा, 21 सितंबर को सेग्रीगेशन शेड, एम आर एफ, पी डब्ल्यू, एम यू, का छात्र, युवा, समुदाय, मीडिया का भ्रमण, 22 से 28 सितंबर तक श्रमदान से स्वछता, तालाबो, बवाड़ियों का सौदर्यीकरण, हाट बाजार की साफ सफाई, सभी सरकारी संस्थाओं में संस्था कर्मियों द्वारा तथा बाजार एवं सार्वजनिक स्थानों में पंचायत के नेत्रिव और समुदाय की भागीदारी, पूर्व से भरे नाडेप को खाली करना, स्वछता चैंपियन की पहचान करना, 21 से 25 सितंबर तक एक पेड़ मा के नाम अभियान के तहत पौधरोपण, 22 से 24 सितंबर तक सिंगल यूज प्लास्टिक क्लीन अप ड्राइव , प्रत्येक ग्राम में पूर्व से फेके हुए प्लास्टिक अपशिष्ट का संग्रहण, ग्राम पंचायत स्तर पर भंडारण और उनसे ब्लाक द्वारा उठवाया जाकर सुरक्षित निपटान,ग्राम में प्लास्टिक कचरा एकत्रीकरण, 25 से 28 सितंबर तक नदी , तट, धार्मिक महत्व के ग्रामो में विशेष साफ सफाई, 25 से 30 सितंबर तक सफाई मित्र एवं कल्याण समिति शिविर का आयोजन, सफाई मित्र एवं उनके परिवार का स्वास्थ्य परीक्षण, 2 अक्टूबर को स्वछ भारत मिशन के तहत कार्यक्रम आयोजित होगा।

सिहोरा के टिकरिया में कोदो, कुटकी की फसल का कृषि अधिकारियों ने किया निरीक्षण

जबलपुर

जिले में श्रीअन्न के उत्पादन को बढ़ावा देने उपसंचालक कृषि डॉ एस के निगम एवं अनुविभागीय कृषि अधिकारी मनीषा पटेल ने आज सिहोरा विकासखंड के ग्राम टिकरिया में कृषक शैलेश पटेल के खेत में लगाई गई कोदो, कुटकी एवं रागी की फसल का निरीक्षण किया । कृषक शैलेष पटेल को कुटकी का बीज खाद्य एवं पोषक सुरक्षा मिशन के अंतर्गत प्रदान किया गया था । निरीक्षण के दौरान कृषि अधिकारियों ने बताया कि रागी में कैल्शियम और फाइबर पाया जाता है । रागी बच्चों एवं बड़ों के लिये उत्तम आहार हो सकता है। वहीं

कोदो एवं कुटकी फाइबर, आयरन, एंटीऑक्सीडेंट जैसे खनिजों से भरपूर होतें हैं, जो मधुमेह नियंत्रण के लिए लाभकारी है। यह रासायनिक उर्वरक और कीटनाशक के प्रभावों से भी मुक्त है। कोदो-कुटकी हाई ब्लड प्रेशर के रोगियों के लिए रामबाण है। इसमें चावल के मुकाबले कैल्शियम भी 12 प्रतिशत अधिक होता है।उप संचालक कृषि डॉ निगम के मुताबिक कुटकी में मैग्नीशियम होता है, जो हृदय के स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है । यह शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से रोकता है । कोदो में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और फाइबर भरपूर मात्रा में होता है यह पाचन के लिए फायदेमंद है । निरीक्षण के दौरान मौजूद किसानों से डॉ निगम ने पाटन तहसील के ग्राम कुकरभुका के प्रगतिशील कृषक श्री रामनरेश पटेल द्वारा लगाई गई कोदो फसल का अवलोकन करने का आग्रह किया। इस अवसर पर दिलीप पटेल जनपद उपाध्यक्ष सिहोरा, कृषक जयराम केवट, बलराम पटेल, सुखदेव पटेल, अशोक दाहिया एवं रोहित दाहिया भी मौजूद थे ।

बड़वानी कलेक्टर डॉ राहुल फटिंग सोमवार समय सीमा बैठक के दौरान शासन की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ सुश्री काजल जावला एंव अपर कलेक्टर श्री केके मालवीय सहित अन्य अधिकारी उपस्थित।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर स्वच्छता ही सेवा अभियान का शुभारंभ कल

पहले दिन जिले के ग्रामीण क्षेत्र में होंगी स्वच्छता की विभिन्न गतिविधियाँ.

जबलपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस पर कल 17 सितंबर से शुरू हो रहे स्वच्छता ही सेवा अभियान के पहले दिन जिले के ग्रामीण क्षेत्र में विभिन्न स्वच्छता गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। गांवों में स्वच्छता के लिये श्रमदान के कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे तथा ग्रामीणों को स्वच्छता की शपथ दिलाई जायेगी। स्वभाव स्वच्छता - संस्कार स्वच्छता की थीम पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर तक चलाये जाने वाले स्वच्छता ही सेवा अभियान की शुरुआत के पहले दिन अंतर्गत जनपद पंचायत जबलपुर एवं पनागर की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम वासियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई जाएगी और जनभागीदारी से स्वच्छता में श्रमदान किया जाएगा। इसी प्रकार जनपद पंचायत मझौली में सभी ग्राम पंचायतों में स्वच्छता शपथ, श्रमदान एवं एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया जाएगा। जनपद पंचायत सिहोरा का मुख्य कार्यक्रम ग्राम पंचायत गांधीग्राम में आयोजित किया जाएगा। विधायक श्री संतोष वरकड़े की मौजूदगी में आयोजित किये जाने वाले इस कार्यक्रम में नागरिकों को स्वच्छता की शपथ दिलाई जाएगी। साथ ही हस्ताक्षर केम्पेन, श्रमदान एवं सफाई कर्मियों को सुरक्षा उपकरणों का वितरण भी किया जाएगा। इस अवसर पर जनपद सदस्य एवं जिला पंचायत जबलपुर के प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी भी उनके साथ उपस्थित रहेंगे। ग्राम पंचायत कुंडेश्वर धाम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में स्वच्छता शपथ, श्रमदान द्वारा सफाई, स्वच्छता हस्ताक्षर केम्पेन चलाया जाएगा। जनपद पंचायत शहपुरा का मुख्य कार्यक्रम ग्राम पंचायत जमुनिया पुरानी में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक बरगी श्री नीरज सिंह की मौजूदगी में स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता शपथ दिलाई जाएगी और श्रमदान द्वारा सफाई एवं स्वच्छता हस्ताक्षर केम्पेन चलाया जाएगा। कार्यक्रम में स्वच्छता शपथ, श्रमदान द्वारा सफाई एवं स्वच्छता हस्ताक्षर केम्पेन चलाया जाएगा।

अस्थायी जलाशय के प्लेटफॉर्म बढ़ाए गए

बड़ी प्रतिमाओं के विसर्जन के लिये सागरताल के सामने बनाया गया है अस्थायी जलाशय

ग्वालियर

ग्वालियर शहर में भगवान श्री गणेश जी की बड़ी एवं मध्यम प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए सागरताल के सामने अस्थायी जलाशय का निर्माण कराया गया है। अनंत चतुर्दशी को बड़े पैमाने पर यहाँ विसर्जन के लिए आने वाली भगवान गणेश की मूर्तियों को ध्यान में रखकर कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान ने जलाशय के आस-पास विसर्जन से पूर्व मूर्तियाँ रखने के लिये बने प्लेटफॉर्म का विस्तार करने के निर्देश दिए थे। इस परिपालन में नगर निगम द्वारा

तीन भाग में प्लेटफॉर्म का विस्तार कर उसे और चौड़ा कर दिया गया है। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा के लिये यहाँ अन्य सुविधायें भी जुटाई गई हैं। नगर निगम द्वारा धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखकर अस्थायी जलाशय पर साफ-सफाई का प्रबंध भी किया गया है।

विक्की विद्या का वो वाला वीडियो के प्रचार में जुटे राजकुमार राव, साझा कीं फिल्म की झलकियां

फिल्म स्त्री 2 की बड़ी सफलता के बाद अभिनेता राजकुमार राव काफी चर्चा में हैं। फिल्म अब तक बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ से यादा का बिजनेस कर चुकी है। राजकुमार राव को उनके प्रशंसक उनकी शानदार एक्टिंग और हैंडसम लुक्स के कारण पसंद करते हैं। अब अभिनेता अपनी सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर चर्चा में हैं। राजकुमार राव ने सोशल मीडिया पर अपनी ब्लैक एंड व्हाइट प्लेफुल फोटो शेयर की है। इस पर फैंस कई तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

सोशल मीडिया पर शेयर की फोटो

राजकुमार राव ने सोशल मीडिया पर अपनी ब्लैक एंड व्हाइट फोटो शेयर करते हुए लिखा है, विक्की का शूट वाला वीडियो। राजकुमार राव की इस फोटो पर फैंस कई तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। फोटो में विक्की मस्ती के मूड में नजर आ रहे हैं। प्रशंसकों ने इस पर कई तरह के कमेंट किए हैं। एक प्रशंसक ने लिखा, शानदार एक्टिंग राजकुमार भाई जी। एक अन्य यूजर ने लिखा, आप बहुत ही शानदार एक्टर हैं।

स्त्री के बाद इस फिल्म में नजर आएंगे राजकुमार राव

राजकुमार राव इन दिनों स्त्री 2 में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म के साथ ही उनकी अगली फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इससे पहले उन्होंने अपनी आगामी फिल्म मालिक की घोषणा की थी। राजकुमार राव ने इस फिल्म का पहला लुक अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया था। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा, मालिक की दुनिया में आपका स्वागत है. शूट शुरू हो चुका है, जल्द ही मुलाकात होगी। इस पोस्टर को भी राजकुमार के प्रशंसकों ने बहुत पसंद किया।

कुछ ऐसी है विक्की विद्या का वो वाला वीडियो की कहानी

बता दें विक्की विद्या का वो वाला वीडियो एक शादीशुदा जोड़े की शादी की रात के रोमांटिक पलों की वीडियो वाली सीडी की खोने और उसकी खोज की कहानी है, जो अपने रिश्ते को मसाला देने के लिए एक सीडी बनाते हैं, लेकिन अगली सुबह उठने पर वह सीडी के साथ सीडी प्लेयर तक गायब हो जाता है। विक्की विद्या का वो वाला वीडियो भूषण कुमार की टी-सीरीज द्वारा निर्मित है।

25 साल 'बेबो' ने बड़े पर्दे पर किया राज

उपलब्धि पर करीना कपूर को मिल रहा ये खास तोहफा

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री करीना कपूर खान को सिनेमा में योगदान के लिए उनके नाम पर एक फिल्म फेस्टिवल की घोषणा की गई है। यह मल्टी-सिटी फिल्म फेस्टिवल अभिनेत्री के शानदार करियर को समर्पित होगा और बड़े पर्दे पर उनकी कुछ चुनिंदा फिल्में दिखाई जाएंगी।

करीना ने जताया आभार

सोमवार को अभिनेत्री करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर उनके लिए समर्पित फिल्म फेस्टिवल को लेकर उत्साह जताया। करीना ने कहा, मेरी रगों में खून, स्क्रीन पर जादू... मेरा काम जिसे मैं प्यार करती हूं... अंदर की आग... अगले 25 के लिए। इस खूबसूरत फेस्टिवल को क्यूरेट करने के लिए पीवीआर सिनेमा और आईनॉक्स को धन्यवाद। बहुत आभारी हूं।'

फेस्टिवल का ट्रेलर किया साझा

करीना कपूर ने फिल्म फेस्टिवल का ट्रेलर भी साझा किया। इसमें करीना के किरदारों की क्लिप शामिल हैं, जिसमें 'जब वी मेट' की गीत और 'कभी खुशी कभी गम' से 'पू' शामिल हैं। हाल ही में, करीना कपूर खान की फिल्म द बकिंघम मर्डर्स सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म में अपनी भूमिका के लिए करीना को खूब सराहना भी मिल रही है। इस फिल्म का निर्देशन हंसल मेहता ने किया है।

25 वर्षों में की कई सफल फिल्में

करीना ने अपने करियर की शुरुआत साल 2000 में आई फिल्म रिफ्यूजी से की थी। इस फिल्म से अभिषेक बचन ने भी डेब्यू किया था। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर असफल हुई थी। अपने 25 साल के करियर में करीना ने चमेली, कभी खुशी कभी गम, जब वी मेट, तलाश, ऐतराज, क्रू और जाने जान जैसी कई फिल्मों में काम किया है।

करीना कपूर का वर्क फ्रंट

करीना कपूर के आगामी कार्यों की बात करें तो वह आने वाले महीनों में मशहूर निर्देशक मेघना गुलजार की नई फिल्म दायरा में नजर आएंगी। उनके पास रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन भी है। सिंघम अगेन में अजय देवगन, अर्जुन कपूर, दीपिका पादुकोण, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और रणवीर सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह सुपर-हिट फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है।

एटली नहीं त्रिविक्रम से चल रही अल्लू अर्जुन की बात

आगामी फिल्म पर सामने आई बड़ी जानकारी

तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता अल्लू अर्जुन की आगामी फिल्म को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। वह जल्द ही निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। इससे पहले खबर आई थी कि वह एटली कुमार की फिल्म में नजर आने वाले हैं। हालांकि, बाद में यह ठंडे बस्ते में चली गई।

अल्लू-त्रिविक्रम की चल रही बात मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू और निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास वर्तमान में एक साथ फिल्म पर काम करने के बारे में चर्चा कर रहे हैं। पुष्पा की सफलता के बाद अभिनेता अपनी फिल्म के चुनाव को लेकर काफी सावधानी बरत रहे हैं। एटली के प्रोजेक्ट से पीछे हटने के बाद वह फिलहाल, त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ बातचीत कर रहे हैं। अगर सबकुछ सही रहा तो दोनों का यह एक साथ चौथा प्रोजेक्ट होगा।

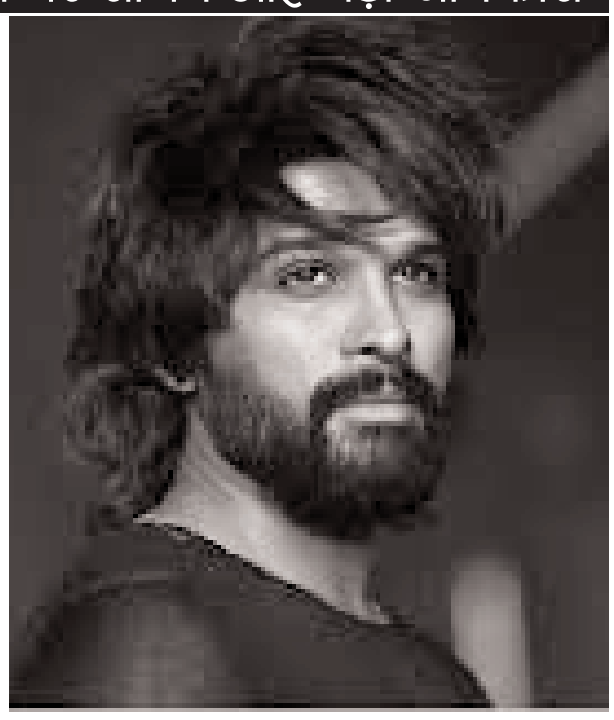

एक साथ दे चुके हैं कई सुपरहिट फिल्में

मीडिया रिपोर्ट्स में एक सूत्र के हवाले से बताया गया है कि यह अल्लू अर्जुन के करियर की सबसे महंगी फिल्मों में से एक होने वाली है। अल्लू अर्जुन और त्रिविक्रम की जोड़ी ने एक साथ कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। अला वैकुंठपुरमुलू, सन ऑफ सत्यमूर्ति और जुलाई जैसी फिल्मों ने लोगों की खूब वाहवाही लूटी थी। फिलहाल, इस अनाम फिल्म को लेकर निर्माताओं ने सभी जानकारी गुप्त ही रखी हैं।

पुष्पा 2 में दिखेंगे अल्लू अर्जुन

वर्क फ्रंट की बात करें तो अल्लू अर्जुन जल्द ही पुष्पा 2 द रूल में नजर आने वाले हैं। फैंस को इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार है। फिल्म में फहद फाजिल और रश्मिका मंदाना भी हैं। उम्मीद जताई जा रही है कि सुकुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाई के कई रिकॉर्ड अपने नाम कर सकती है।

कंगना रनौत ने पीएम मोदी को बताया ग्रेटेस्ट लीडर, खास अंदाज में दी जन्मदिन की बधाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज यानी 17 सितंबर को अपना जन्मदिन मना रहे हैं। वे आज 74 साल के हो गए हैं। उनके जन्मदिन के मौके पर सरकार और राज्यों के दिग्गज नेताओं समेत विपक्षी दलों के नेता और कई बॉलीवुड हस्तियां बधाई दे रहे हैं अब हाल ही में, कंगना रनौत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक तस्वीर साझा कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।

कंगना ने दी पीएम को जन्मदिन की बधाई अभिनेत्री और राजनेता ने लिखा, ग्रेटेस्ट लीडर को जन्मदिन की शुभकामनाएं। गैंगस्टर से अपने करियर की शुरुआत करने वाली कंगना ने अब तक एक लंबा सफर तय किया है। अब वह न केवल एक निर्माता और निर्देशक हैं, बल्कि एक राजनीतिज्ञ भी हैं। बता दें कि कंगना इन दिनों अपनी फिल्म इमरजेंसी की रिलीज को लेकर काफी संघर्षों से जूझ रही हैं। हालांकि, सेंसर बोर्ड से उन्हें अभी तक हरी झंडी नहीं मिली है।फिल्म पर लगा था यह आरोप फिल्म इमरजेंसी को लेकर आरोप लगाया गया कि फिल्म के ट्रेलर में गलत ऐतिहासिक तथ्य दिखाए गए हैं, जो न केवल सिख समुदाय को गलत तरीके से पेश करते हैं बल्कि नफरत और सामाजिक कलह को भी बढ़ावा देते हैं।卐 हालांकि, अभिनेत्री का कहना है कि उन्होंने फिल्म में सही तथ्यों को ही दिखाया है और फिल्म से जुड़े हर विवादों के जवाब देने के लिए भी तैयार हैं। टीम को हुआ वित्तीय नुकसान बता दें कि इमरजेंसी की रिलीज को शुरुआत में 6 सितंबर, 2024 के लिए निर्धारित किया गया था। हालांकि, केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के साथ मुद्दों के कारण फिल्म को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया गया।

शाहरुख-सलमान की जोड़ी इस बड़े प्रोजेक्ट में मचाएगी धमाल?

शाहरुख खान और सलमान खान जब भी साथ में स्क्रीन पर आते हैं, तो धमाल मचाते हैं। प्रशंसकों को इन दोनों की जोड़ी बेहद पसंद आती है। दोनों के प्रशंसक अपने पसंदीदा सुपरस्टार्स को एक साथ में देखना पसंद करते हैं, चाहे वो कोई फिल्म हो, अवॉर्ड शो हो या फिर कोई और प्रोजेक्ट। करण अर्जुन, कुछ कुछ होता है और हम तुम्हारे हैं सनम से लेकर कई फिल्मों में दर्शकों ने इस जोड़ी को पसंद किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अब एक और प्रोजेक्ट है जिसमें दोनों खान एक साथ नजर आ सकते हैं।

इस प्रोजेक्ट में साथ नजर आ सकते हैं शाहरुख-सलमान शाहरुख खान और सलमान खान जिस प्रोजेक्ट में साथ काम कर सकते हैं, वह कोई फिल्म नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार , शाहरुख और सलमान, आर्यन खान की वेब सीरीज स्टारडम का हिस्सा हो सकते हैं। इस सीरीज का निर्देशन शाहरुख के बेटे आर्यन खान कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आर्यन खान ने सलमान खान से एक एपिसोड का हिस्सा बनने के लिए संपर्क किया है। सलमान को स्टारडम में कैमियो ऑफर किया गया तो उनके लिए यह बिलकुल भी मुश्किल नहीं था। सलमान, शाहरुख और उनके परिवार के साथ बहुत अच्छे संबंध रखते हैं। इसलिए, उन्हें आर्यन को हां कहने में कोई समय नहीं लगा।

वेब सीरीज स्टारडम आर्यन खान के शो स्टारडम की बात करें तो यह छह एपिसोड की सीरीज है और इसमें मोना सिंह मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। पहले दर्शकों ने शाहरुख खान और सलमान खान को दो बार पठान और टाइगर 3 में एक साथ स्क्रीन पर देखा था। शाहरुख अपनी 2023 की ब्लॉकबस्टर फिल्म के साथ वाईआरएफ की जासूसी दुनिया में शामिल हो गए और संभावना है कि हम उन्हें भविष्य की जासूसी फिल्मों में फिर से देख सकते हैं। काम की बात करें तो शाहरुख खान अगली बार सुजॉय घोष की किंग में नजर आएंगे। इस फिल्म में शाहरुख खान के साथ उनकी बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी। अभिषेक बच्चन इस थ्रिलर फिल्म में खलनायक की भूमिका निभा सकते हैं, जो 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दूसरी ओर, सलमान खान इन दिनों सिकंदर की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह इस साल 2025 ईद पर रिलीज होगी। एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और सत्यराज भी नजर आएंगे।

स्त्री 2 ने रणबीर की एनिमल को चटाई धूल

नंबर वन बनने से सिर्फ एक कदम दूर श्रद्धा कपूर

श्रद्धा कपूर ने इतिहास रच दिया है। बीते महीने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रिलीज हुई उनकी फिल्म स्त्री 2 ने बॉक्स ऑफिस पर धुआं उड़ा रखा है। कई रिकॉर्ड यह फिल्म पहले दिन से ही अपने नाम दर्ज कर चुकी है और यह सिलसिला महीनेभर बाद भी जारी है। अब फिल्म इतिहास रचने से सिर्फ एक कदम दूर है और उसके बाद यह हिंदी सिनेमा की नंबर वन की कुर्सी पर काबिज हो जाएगी, जिस पर अभी बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान की फिल्म जवान काबिज है। अमर कौशिक के निर्देशन में बनी स्त्री 2 की रिलीज को आज 34 दिन पूरे हो रहे हैं। पिछले 33 दिनों में इस फिल्म का कारोबार जबर्दस्त रहा है और अब यह बॉलीवुड की दूसरी सबसे यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। स्त्री 2 ने रणबीर कपूर की बीते वर्ष रिलीज हुई एनिमल को खिसकाकर यह जगह बनाई है। जी हां, एनिमल को लाइफटाइम कलेक्शन के मामले में स्त्री 2 ने पछाड़ दिया है। सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक स्त्री 2 ने 33 दिन में यानी कल सोमवार तक 557.99 करोड़ रुपये की नेट कमाई घरेलू बॉक्स ऑफिस पर कर डाली है। वहीं एनिमल का लाइफटाइम बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 556.36 करोड़ रुपये है। इस लिहाज से

श्रद्धा कपूर की फिल्म ने दूसरा नंबर हासिल कर लिया है। अब नंबन वन बनने के लिए उसका मुकाबला शाहरुख खान की जवान से है। जवान का लाइफटाइम कलेक्शन 643.87 करोड़ रुपये है। स्त्री 2 ने बाहुबली 2, गदर 2, पठान और अब एनिमल जैसी फिल्मों की कमाई का रिकॉर्ड तोड़ते हुए दूसरा नंबर हासिल किया है। अब फिल्म का लक्ष्य पहले नंबर पर कब्जा जमाना है। दिलचस्प बात यह है कि महीने भर से ऊपर होने के बाद भी फिल्म का क्रेज कम होने का नाम नहीं ले रहा। ऐसे में फिल्म आने वाले दिनों में जवान का भी रिकॉर्ड तोड़ डाले, इसकी संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। स्त्री 2 ने पहले हफ्ते 291.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। फिर फिल्म की दूसरे हफ्ते की कमाई 141.4 करोड़ रुपये रही। तीसरे हफ्ते में 70.2 करोड़ रुपये का कारोबार किया तो चौथे हफ्ते में 36.1 करोड़ रुपये कमाए। फिल्म अपनी रिलीज के पांचवे हफ्ते में है और शानदार कमाई कर रही है। कल यानी पांचवे सोमवार को इसने 3 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। फिल्म में श्रद्धा कपूर के अलावा राजकुमार राव, अपारशक्ति खुराना, पंकज त्रिपाठी और अभिषेक बनर्जी जैसे सितारे भी अहम रोल में हैं।

पाक ने बांग्लादेशी आतंकियों को सौंपा कश्मीर का माहौल खराब करने का टास्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में हो रहे विधानसभा चुनावों का माहौल बिगाड़ने के लिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने बड़ी साजिश रची है। पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों को डिस्टर्ब करने के लिए जिस गहरी साजिश को अंजाम दिया है, उसके तार बांग्लादेश से जुड़ते दिखाई दे रहे हैं। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक पाकिस्तान ने बांग्लादेश के कट्टरपंथी आतंकी संगठनों को कश्मीर का माहौल खराब करने का टास्क सौंपा है। इसके लिए न केवल सोशल मीडिया का सहारा लिया रहा है, बल्कि बांग्लादेश की तरफ से लगातार घुसपैठ भी कराई जा रही है, ताकि बांग्लादेश के कट्टरपंथी कश्मीर के मुस्लिम समुदाय को भड़का सकें। यहां तक कि अमेरिका में पीएम मोदी के भाषण वाले दिन बड़ा हंगामा खड़ा करने की भी साजिश रची जा रही है। खुफिया सूत्रों ने बताया कि हाल ही में बांग्लादेश का कट्टरपंथी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम, जिसके संबंध इस्लामिक आतंकी संगठन अल कायदा से भी हैं, उसके नेता मुहम्मद जसीमुद्दीन रहमानी की रिहाई इसी रणनीति के तहत आईएसआई ने दबाव बना कर बेल कराई है।

रहमानी के जहरीले बयान शुरू

जेल से बाहर आते ही रहमानी ने जहरीले बयान देने शुरू कर दिए। रहमानी ने कहा, उन्होंने कहा, हम सात बहनों से कहेंगे कि वे स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हों...कश्मीर से कहेंगे कि वह स्वतंत्रता के लिए तैयार हो जाए। पाकिस्तान और अफगानिस्तान मिलकर कश्मीर को स्वतंत्रता दिलाने में मदद करेंगे। हम कश्मीर की आजादी के लिए काम करेंगे। रहमानी ने कहा, मैं सिखों से कहूंगा कि तुम्हारा समय आ गया है, अब आजादी का आह्वान करो; भारत के हर प्रांत में जो सिख खालिस्तानी हैं, उनका समय आ गया है। जसीमुद्दीन रहमानी को तत्कालीन शेख हसीना सरकार ने 12 अगस्त 2013 को लोगों

को हिंसा के लिए उकसाने के आरोप में बरगुना में गिरफ्तार किया गया था। अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के 30 सदस्यों की भी गिरफ़्तारी हुई थी। फरवरी 2013 में राजीब हैदर की हत्या के बाद अंसारुल्लाह बांग्ला टीम ने काफी सुर्खियां बटोरीं थीं। मई 2015 में बांग्लादेश सरकार ने संगठन पर प्रतिबंध लगा दिया। सूत्रों ने बताया कि इस समूह ने कम से कम चार ब्लॉगर्स और लेखकों की हत्या की है। वे 2016 में एलजीबीटी अधिकार कार्यकर्ता जुलहाज मन्नान और उनके दोस्त खांडोकर महबूब रब्बी टोनॉय की हत्या में भी शामिल थे।

लश्कर से भी हैं अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के संबंध

खुफिया सूत्रों के मुताबिक जसीमुद्दीन रहमानी ने जेल से बाहर आते ही अपने जिहादी नेटवर्क को भारतीय इलाकों में फैलाने की कोशिशें शुरू कर दी हैं। भारतीय सुरक्षा बलों ने भी अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के कई गुर्गों को भी गिरफ्तार किया है। इससे पहले मई 2024 में, असम पुलिस ने गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के दो आतंकियों को हिरासत में लिया था। खुफिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल-कायदा और अंसारुल्लाह बांग्ला टीम का गठजोड़ भारत के लिए चिंता पैदा करने वाला है। रिपोर्ट बताती हैं कि अंसारुल्लाह बांग्ला टीम ने पूर्वोत्तर भारत में आतंकी हमलों की योजना बनाने के लिए लश्कर-ए-तैयबा के साथ भी हाथ मिलाया था। वहीं, 2022 में, अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के 100 सदस्यों ने त्रिपुरा में बड़ी घुसपैठ की भी कोशिश की थी, जिसे समय रहते नाकाम कर दिया गया।

एबीटी और जेएमबी साजिश में शामिल

इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स के मुताबिक जसीमुद्दीन रहमानी की काशिमपुर हाई सिक्योरिटी सेंट्रल जेल से रिहाई से पहले ही आईएसआई ने 06 अगस्त को भारत में अंसारुल्लाह बांग्ला टीम का हेड इकरामुल हक उर्फ अबू तल्हा की भी दंगाइयों की मदद से जेल तोड़ कर रिहाई करवाई थी। उसे भारतीय एजेंसियों से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर 2023 में ढाका में गिरफ्तार किया गया था। उसके साथ भागने वाला एक और शख्स नियामतुल्लाह था, जो कोलकाता में पकड़े गए एक मॉड्यूल का कमांडर था। इसके अलावा जमात-उल-मुस्लिमीन के अमीर अब्दुल अमीन और जमात-उल-मुजाहिदीन, बांग्लादेश (जेएमबी) के नेता भी जेल ब्रेक में भागे थे। सूत्रों ने बताया कि अब अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) और जमात-उल-मुजाहिदीन, बांग्लादेश मिल कर भारत के खिलाफ बड़ी साजिशों को अंजाम देने की कोशिशों में जुटे हैं।

सुरक्षा बलों की आंखों में धूल झोंक कर भारत पहुंचा आतंकी

खुफिया सूत्रों ने इस बात का खुलासा किया कि शेख हसीना की सरकार जाने के बाद आईएसआई ने अपनी इसी कोशिशों के चलते एक बड़ी घुसपैठ को भी अंजाम दे डाला। अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के मुहम्मद जसीमुद्दीन रहमानी का बेहद नजदीकी मुफ्ती महमूदुल हसन जुबैर उर्फ मुफ्ती जुबैर रहमानी बांग्लादेश की सीमा पार करके सुरक्षा बलों की आंखों में धूल झोंक कर भारत में घुसपैठ करने में कामयाब रहा। भारत के खिलाफ प्रोपेगेंडा फैलाने के लिए मशहूर महमूदुल हसन जुबैर ने अंसारुल्लाह बांग्ला टीम के इशारे पर भारत में घुसपैठ की है। सूत्रों ने बताया कि उसने 5 सितंबर को पश्चिम बंगाल में हरिदासपुर से भारत में घुसपैठ की। इस दौरान उसने दिल्ली में इस्लामी संस्थानों और दारुल उलूम देवबंद का भी दौरा किया। कहा जा रहा है कि उसने कश्मीर के भी कुछ इस्लामी संस्थानों से संपर्क करके कश्मीर चुनावों का माहौल बिगाड़ने का सीक्रेट टास्क सौंपा है। सुरक्षा एजेंसियां भी उसके प्लान की छानबीन करने में जुटी हैं। जुबैर रहमानी पहले भी सोशल मीडिया के जरिये भारत विरोधी प्रचार में शामिल रहा है।

मुहावरों के जरिए वोटरों को भड़का रहे आतंकी संगठन

खुफिया एजेंसियों ने बताया कि चुनावों को लेकर सोशल मीडिया पर न केवल भारत विरोधी हैश टैग चलाए जा रहे हैं, बल्कि आतंकी संगठन भी सोशल मीडिया पर एक्टिव हो गए हैं। कश्मीर फाइट आतंकी संगठन ने तो बकायदा जम्मू-कश्मीर चुनावों में हिस्सा लेने वालों को चेतावनी भी जारी कर दी है। आतंकी संगठन ने कहा है कि जो लोग इस चुनाव में हिस्सा ले रहे हैं वह अनुच्छेद 370 हटाने के समर्थक हैं और कश्मीर की आजादी के लिए लड़ रहे लोगों को धोखा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि चुनावों में वोट डालने वाले कश्मीरियों को कड़ी सजा दी जाएगी। वहीं वे मुहावरों और कविता की भाषा में सोशल मीडिया पर लोगों को बरगलाने में जुटे हुए हैं। वहीं पाकिस्तान में बैठे प्रोपेगेंडा अकाउंट्स के जरिए 2018-19 के पुराने हैशटैग्स को भी रिसाइकिल किया जा रहा है।

अमेरिका में पीएम मोदी का विरोध करने की साजिश

खुफिया सूत्रों ने बताया कि अमेरिका में रह रहे कश्मीरी चरमपंथियों ने 26 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी के संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली में भाषण वाले दिन भी न्यूयॉर्क में हंगामा खड़ा करने की बड़ी योजना बनाई है। सरदार जरीफ खान, कश्मीर एवेयरनेस फोरम और कश्मीर अमेरिकन वेलफेयर एसोसिएशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण के विरोध में बड़ी रैली निकाल रहे हैं। इसमें गुलाम नबी फाय और दूसरे नेता रेली को संबोधित करने वाले हैं और कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय समुदाय के दखल देने की मांग करेंगे। इसके लिए बड़े स्तर पर पोस्टर और पैम्फलेट छपवाए गए हैं।

इजराइल ने गाजा में फिर मचाई तबाही हमले में 15 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा: मध्य और दक्षिणी गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों में सोमवार को कम से कम 15 फिलिस्तीनी मारे गए। फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि इजरायली विमानों ने मध्य गाजा पट्टी में नुसेरात शरणार्थी शिविर में एक घर को निशाना बनाया, जिसमें कम से कम 10 लोग मारे गए। हवाई हमले के कारण घर को पूरी तरह से नष्ट हो गया और पड़ोसी घरों को भी नुकसान पहुंचा। चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि पीड़ितों में बच्चे भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि घायल हुए अन्य 15 लोगों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सुरक्षा और चिकित्सा सूत्रों के अनुसार सोमवार को ही दक्षिणी गाजा पट्टी में खान यूनिस के पश्चिम में अल-मवासी क्षेत्र में एक अस्थायी बेकरी पर इजरायली गोलाबारी में एक बच्चे सहित कम से कम पांच फिलिस्तीनी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। अभी तक, इजरायली सेना ने दोनों हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

उल्लेखनीय है कि इज़रायल ने 07 अक्टूबर, 2023 को हमास द्वारा इजरायल की सीमा में घुसकर और गाजा पट्टी से बड़े पैमाने पर रॉकेट दागकर हमला किया था। इसके जवाब में इजरायल ने गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ बड़े पैमाने पर आक्रमण शुरू किया है। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों ने सोमवार को एक बयान में कहा कि गाजा पट्टी में चल रहे इज़रायली हमलों में मारे गए फिलिस्तीनियों की संख्या बढ़कर 41,226 हो गई है।

बांग्लादेश को 200 एकड़ जमीन लौटाने जा रहा भारत

नई दिल्ली। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) और भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की बैठक में बड़ा फैसला लिया गया। इसमें यह तय हुआ कि 200 एकड़ भूमि बांग्लादेश को लौटाई जाएगी, जो नदी के कटाव के कारण भारत में चली गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, बीजीबी और बीएसएफ के सीनियर अधिकारियों के बीच रविवार को मीटिंग हुई। इसमें विवादित भूमि का फिर से सर्वे करने और इसे सही मालिकों को लौटाने का संयुक्त निर्णय लिया गया। दौलतपुर उपजिला में रामकृष्णपुर संघ के चालिशपारा क्षेत्र में यह विवादित भूमि स्थित है, जो पद्मा नदी के मार्ग में बदलाव और प्राकृतिक आपदाओं के कारण विवाद में रही है। इसने 3 किलोमीटर के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सीमा स्तंभों को अव्यवस्थित कर दिया।

साल की शुरुआत में हुआ था सर्वे

जमीन से जुड़े विवाद को लेकर इस साल की शुरुआत में सर्वे किया गया। इसमें पूरा मामला सामने आ गया था। बीजीबी की 47वीं बटालियन के कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल एम महबूब मुर्शेद रहमान ने मामले की पुष्टि की।

उन्होंने बताया कि गत 10 फरवरी को सर्वेक्षण के दौरान पता चला कि लगभग 200 एकड़ बांग्लादेश की भूमि भारतीय क्षेत्र में और करीब 40 एकड़ भारतीय भूमि बांग्लादेश क्षेत्र में चली गई है। दोनों देश अब अक्टूबर में आधिकारिक रूप से सीमाओं को सही करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विवादित भूमि का फिर से सर्वे करने और उसे उसके वास्तविक मालिकों को लौटाने पर सहमति बनी है।

सुरक्षा अधिकारियों के बीच बैठक के दौरान हुए कई फैसले

बैठक में सीमा पर हत्याओं को रोकने और मादक पदार्थों की तस्करी से निपटने जैसे व्यापक मुद्दों पर भी चर्चा की गई। बांग्लादेश के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लेफ्टिनेंट कर्नल रहमान ने किया, जबकि रोशनबाग बटालियन के कमांडेंट विक्रम देव सिंह ने बीएसएफ का प्रतिनिधित्व किया। लेफ्टिनेंट कर्नल रहमान ने जोर दिया कि जब तक दोबारा सर्वे पूरा नहीं हो जाता, तब तक किसी को भी विवादित भूमि का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। उन्होंने सीमा पर हाल ही में हुई हत्याओं के खिलाफ बांग्लादेश का कड़ा विरोध भी जताया। साथ ही, इरऋ से निर्दोष नागरिकों को हिरासत में लेने से बचने और विशेष रूप से दुर्गा पूजा से पहले अवैध सीमा पार गतिविधियों को रोकने की अपील की।

केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, धर्म की रक्षा के लिए सुदर्शन भी जरूरी

अगरतला। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को त्रिपुरा में बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, बल्कि सुरक्षा के लिए सुदर्शन भी जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर आप धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म भी आपकी रक्षा करेगा। उन्होंने कहा, त्रिपुरा में डबल इंजन की सरकार है, जो डबल स्पीड से सर्वांगीण विकास के लिए काम कर रही है। हम सबके सामने धार्मिक क्षेत्र में हो रही प्रगति उल्लेखनीय हैं। योगी आदित्यनाथ ने बांग्लादेश का नाम लिए बगैर कहा, बगल में आपके हजारों किलोमीटर की सीमा के पार जो हमारे बंधुगण रह रहे हैं, उनकी क्या स्थिति है, ये आपसे छिपी हुई नहीं है। उन्होंने आगे कहा, हम सबको इस बात को ध्यान में रखना होगा कि अगर आप धर्म की रक्षा करेंगे तो धर्म आपकी रक्षा करेगा। लेकिन अगर आप अपने स्वार्थ के लिए धर्म का बलिदान करेंगे, तो वह धर्म भी आपके साथ उसी प्रकार का व्यवहार करेगा। हमारी सनातन मान्यता रही है- यतो धर्मस्ततो जयः, यही हम सबकी शिक्षा है। हम सब एक भारत-श्रेष्ठ भारत के रूप में देश को मजबूत करने के लिए कार्य कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प और सामर्थ्य हम सबको एक नई यात्रा पर आगे बढ़ा रहा है।

आदित्यनाथ ने आगे कहा, हम यह भी जानते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण की स्मृति जब हम सबके सामने आती है, तो उनके एक हाथ में मुरली है, तो दूसरे हाथ में सुदर्शन है। केवल मुरली से काम नहीं चलेगा, बल्कि रक्षा के लिए सुदर्शन भी आवश्यक है। सुदर्शन जब आपके पास होगा तो फिर किसी को बलिदान नहीं देना पड़ेगा।

पाकिस्तान एक नासूर है...

योगी आदित्यनाथ ने कहा, 1947 के पहले कौन लोग थे, जो भारत के दुर्भाग्यपूर्ण विभाजन के लिए जिम्मेदार थे। उन लोगों के बारे में सही जानकारी देने की आवश्यकता है। याद रखना,1905 में अंग्रेजों की जो बंग-भंग की साजिश थी, उस समय के समाज ने उसे विफल किया था, ऐसे ही मुस्लिम लीग की साजिशों को विफल करने के लिए उस समय का कांग्रेस नेतृत्व और जोगेंद्र नाथ मंडल ने मिलकर पानी फेरने का काम करते तो कभी भी पाकिस्तान जैसा नासूर नहीं बनता है। पाकिस्तान एक नासूर है। जब तक इसका ऑपरेशन नहीं होगा। तब तक इस कैंसर की समस्या का समाधान नहीं होने वाला है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) इस बात को जानता था कि अगर हम कांग्रेस के साथ संधि कर देंगे तो वे देश को विभाजित कर देंगे, हिंदुओं का नरसंहार करेंगे और हमारे देश की परंपराओं को नष्ट कर देंगे। कांग्रेस ने अपनी सत्ता के लिए देश का विभाजन स्वीकार किया।

बीजेपी पर कांग्रेस का हमला- एक देश एक चुनाव व्यावहारिक नहीं

नई दिल्ली। देश में सत्ताधारी गठबंधन एनडीए की तरफ से मौजूदा कार्यकाल में एक देश एक चुनाव को लागू करने के रिपोर्ट पर कांग्रेस पार्टी ने जोर देकर कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव का कोई मसौदा प्रस्ताव नहीं था और सरकार ने इस पर बात करने का कोई प्रयास नहीं किया। सूत्रों के अनुसार भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार अपने मौजूदा कार्यकाल के दौरान एक राष्ट्र, एक चुनाव को लागू करेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सुधार उपाय को सभी दलों का समर्थन मिलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के तीसरे कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर सूत्रों ने कहा कि सत्तारूढ़ गठबंधन की एकजुटता बाकी कार्यकाल में समान रहेगी। वहीं सरकार के इसी कार्यकाल में एक राष्ट्र, एक चुनाव लागू किए जाने की रिपोर्ट के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, आपने सरकारी सूत्रों के हवाले से कहा, मैं कांग्रेस पार्टी की आधिकारिक प्रवक्ता हूं और मोदी सरकार की कई विफलताओं को उजागर कर रही हूं।

नई खोज...पृथ्वी के चारों ओर भी शनि की तरह था खूबसूरत छल्ला

नई दिल्ली। शनि ग्रह के चारों ओर के रिंग को सौरमंडल की सबसे खूबसूरत चीजों में से एक माना जाता है। अब एक रिसर्च से यह बात सामने आई है कि पृथ्वी पर भी कभी कुछ ऐसा ही रहा होगा। पिछले हफ़्ते अर्थ एंड प्लेनेटरी साइंस लेटर्स में प्रकाशित एक पेपर में इस बात के सबूत पेश किए हैं कि पृथ्वी पर भी एक रिंग यानी छल्ला रहा होगा। मोनाश यूनिवर्सिटी के एंड्रयू टॉमकिंस और उनके साथियों द्वारा प्रकाशित इस लेख में कहा गया है कि लगभग 466 मिलियन साल पहले बने और कुछ करोड़ सालों तक रहने वाले ऐसे छल्ले का अस्तित्व हमारे ग्रह के इतिहास की कई पहेलियों को सुलझा सकता है।

छल्ले वाली पृथ्वी

लगभग 466 मिलियन साल पहले बहुत सारे उल्कापिंड पृथ्वी से टकराने लगे थे। हम यह इसलिए जानते हैं क्योंकि इस दौरान बहुत कम समय में धरती पर कई क्रेटर बन गए थे। उसी अवधि में हमें यूरोप, रूस और चीन में चूना पत्थर के भंडार भी मिले हैं जिनमें एक खास तरह के उल्कापिंड यानी मेटिरॉयट से बहुत ज्यादा मात्रा में मलबा था। इन चट्टानों में संकेत मिलते हैं कि वे आज गिरने वाले उल्कापिंडों की तुलना में बहुत कम समय के लिए स्पेस रेडिएशन के

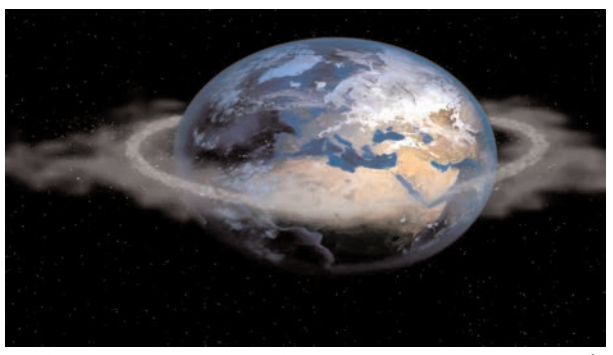

संपर्क में आए थे। इस समय कई सुनामी भी आईं। हमें लगता है कि ये सभी घटनाएं एक दूसरे से जुडी हुई हैं। लेकिन उन्हें एक साथ क्या जोड़ता है? रिसर्च में 21 उल्कापिंड क्रेटर का जिक्र है। अतीत में पृथ्वी की टेक्टोनिक प्लेटों की गति के मॉडल का उपयोग करते हुए यह पता लगाया गया है कि ये सभी क्रेटर पहली बार बनने के समय कहां थे। इसमें पाया गया कि सभी क्रेटर उन महाद्वीपों पर हैं जो इस अवधि में भूमध्य रेखा के करीब थे और कोई भी ऐसी जगह पर नहीं है जो पोल के करीब थी। इससे पता चलता है कि ये क्रेटर भूमध्य रेखा के करीब बने। हालांकि क्या यह वास्तव में हुए प्रभावों का एक उचित नमूना है? सामान्य परिस्थितियों में पृथ्वी से टकराने वाले एस्टेरॉयड कहीं भी टकरा सकते हैं जैसा कि हम चंद्रमा, मंगल और बुध पर क्रेटरों में देखते हैं। इसलिए यह असंभव है कि इस अवधि के सभी 21 क्रेटर भूमध्य रेखा के करीब बने होंगे और वे एक दूसरे से असंबंधित थे। इन सभी सबूतों को देखते हुए इस निष्कर्ष पर पहुंचा गया कि पृथ्वी के साथ संपर्क के दौरान एक बड़ा एस्टेरॉयड टूट गया। कई करोड़ सालों में एस्टेरॉयड का मलबा पृथ्वी पर बरसता रहा जिससे क्रेटर और सुनामी का पैटर्न बना।

कैसे बनते हैं रिंग

आपको पता होगा कि शनि ही एकमात्र ऐसा ग्रह नहीं है जिसके रिंग हैं। बृहस्पति, नेपच्यून और यूरेनस के रिंग भी हैं। कुछ वैज्ञानिकों ने यह भी कहा है कि मंगल के छोटे चंद्रमा फोबोस और डेमोस एक रिंग के अवशेष हो सकते हैं। जब कोई छोटा पिंड (जैसे कि एस्टेरॉयड) किसी बड़े पिंड (जैसे कि ग्रह) के करीब से गुजरता है तो वह गुरुत्वाकर्षण के कारण खिंच जाता है। जब वह काफी करीब आ जाता है (रोश सीमा नामक दूरी के अंदर), तो छोटा पिंड बहुत सारे छोटे-छोटे टुकड़ों और कुछ बड़े टुकड़ों में टूट जाएगा। वे सभी टुकड़े इधर-उधर टकराते हैं और धीरे-धीरे बड़े पिंड के भूमध्य रेखा की परिक्रमा करने वाले मलबे के रूप में बदल जाते हैं। समय के साथ रिंग में मौजूद चीजें बड़े पिंड पर गिर जाती हैं जहां बड़े टुकड़े क्रेटर का निर्माण करते हैं। इसलिए यह संभव है कि अगर पृथ्वी ने भी लगभग 466 मिलियन साल पहले एक एस्टेरॉयड को नष्ट किया होगा जिससे छल्ला बना होगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569